कानून मंत्रियों के सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा, स्वस्थ्य समाज के लिए मजबूत न्यायपालिका का होना जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि कानून बनाते हुए हमारा फोकस होना चाहिए कि गरीब से गरीब भी नए बनने वाले कानून को अच्छी तरह समझ पाएं।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 303 दिनांक:16-10-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

शनिवार दोपहर को तीनों पीठों के शंकराचार्य हेलीकाप्टर से बदरीनाथ पहुंचे। हेलीपैड पर संत समाज व नागरिकों ने ढोल नगाढ़ों के साथ शंकराचार्यों का स्वागत किया। इसके बाद शंकराचार्य मठ में आयोजित हुए स्वागत समारोह में शंकराचार्यों का पादुका पूजन किया गया।

शोपियां में आतंकियों ने कश्मीरी पंडित को लक्ष्य कर चलाई गोलियां, अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

श्रीनगर (ईएमएस)। आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर में फिर एक कश्मीर पंडित समुदाय के एक व्यक्ति को अपना निशाना बनाया और शोपियां जिले के चौधरी गुंड इलाके में उस पर फायरिंग कर दी। व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बयान में कहा 'शोपियां के चौधरी गुंड में एक बाग की ओर जा रहे एक नागरिक पूरन कृष्ण भट पर आतंकवादियों ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। अब हमलावरों की तलाश में सर्च अभियान चलाया गया है।

हमलावरों की पहचान करने के लिए आस पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में ही आतंकियों ने अगस्त 2022 के मध्य में सेब बागान से छिपकर आम नागरिकों पर गोलियां चलाई थीं। इस गोलीबारी में एक कश्मीरी हिन्दू सुनील कुमार भट की मौत हो गई थी। वहीं उनके भाई पिंटू कुमार भट घायल हो गए थे, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आतंकी संगठन केएफएफ (कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी।

आतंकी संगठन का कहना था कि ये दोनों कश्मीरी पंडित भाई तिरंगा रैली में शामिल हुए थे, इसीलिए इन्हें निशाना बनाया गया। जम्मू-कश्मीर में टारगेट किलिंग की घटनाएं इस साल अप्रैल-मई से बढ़ गई हैं। बीते 12 मई को बडगाम जिले में आतंकियों ने तहसील ऑफिस में घुसकरकश्मीरी पंडित राहुल भट को गोली मार दी थी, उनकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद 31 मई को कुलगाम में आतंकियों ने महिला टीचर रजनीबाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह सांबा की रहने वाली थीं। उनकी हत्या कुलगाम के गोपालपोरा में की गई है।

इसी साल 2 जून को आतंकियों ने राजस्थान के हनुमानगढ़ के रहने वाले बैंक मैनेजर विजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह कुलगाम के मोहनपोरा में देहाती बैंक मे तैनात थे।

सुरक्षाबलों ने टारगेट किलिंग की इन घटनाओं को अंजाम देने वाले ज्यादातर आतंकियों को ढेर कर दिया है। आज ही जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई के तहत आतंकवादियों से संबंधित होने के आरोप में 5 सरकारी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जिन 5 लोगों के खिलाफ ये कार्रवाई हुई है, उनके नाम तनवीर सलीम डार, अफक अहमद वानी, इफ्तिखार अंद्राबी, इरशाद अहमद खान, अब्दुल मोमिन पीर है। ये लोग नार्को-टेरर सिंडिकेट चलाने और आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए प्रतिबंधित संगठनों की सहायता करने के मामलों में शामिल थे।

तनवीर जम्मू-कश्मीर पुलिस में कान्स्टेबल के रूप में सेवाएं दे रहा था। जबकि, अफक अहमद वानी बारामूला सेंट्रेल कोआपरेटिव बैंक में मैनेजर था और इफ्तिखार अंद्राबी बीडीओ ऑफिस में प्लांटेशन सुपरवाइजर के रूप में काम कर रहा था और बाद में विलेज लेवल वर्कर बन गया था। वहीं इरशाद अहमद खान जल शक्ति विभाग में सेवाएं दे रहा था और अब्दुल मोमिन पीर पीएचई सबडिविजन में असिस्टेंट लाइनमैन के रूप में सेवाएं दे रहा था। आतंकी घाटी में कश्मीरी पंडितों, प्रवासियों को निशाना बनाकर यह संदेश देना चाहते हैं कि केंद्र शासित प्रदेश में सबकुछ ठीक नहीं है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने 38वें दिन एक हजार किलोमीटर की दूरी तय की

बेल्लारी (ईएमएस)। भारत जोड़ो यात्रा अपने 38वें दिन एक हजार किलोमीटर का पड़ाव पूरा कर चुकी है। इस मौके पर कांग्रेस नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शनिवार को कर्नाटक के बेल्लारी में जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे मल्लिकार्जुन खड़गे रैली का हिस्सा बनने वाले हैं। हल कुंडी मठ में रात्रि विश्राम के बाद राहुल गांधी ने शनिवार को जिला मुख्यालय शहर बेल्लारी के कम्मा भवन पहुंचने के लिए फिर से पदयात्रा शुरू की।

जनसभा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अलावा सिद्धारमैया, कमलनाथ, रणदीप सिंह सुरजेवाला और दिग्विजय सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हो रहे हैं। बता दें कि अबतक यात्रा में कांग्रेस के कई दिग्गज नेता शामिल हो चुके है, जिसमें सोनिया गांधी ने मैसूर में यात्रा की थी। इसके अलावा शशि थरूर भी यात्रा का हिस्सा बन चुके है।

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव को लगभग छह महीने का समय बचा होने के मद्देनजर कांग्रेस इस यात्रा से राज्य में बड़ी उम्मीद लगाए हुए है। बेल्लारी में गांधी की जनसभा को पार्टी के व्यापक शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। बेल्लारी कांग्रेस का गढ़ रहा है। बेल्लारी में कांग्रेस के दिग्गज नेता सिद्धारमैया ने 2010 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन के तहत रेड्डी बंधुओं द्वारा कथित अवैध खनन के खिलाफ 320 किलोमीटर लंबी 'पदयात्रा' की थी। जी जनार्दन रेड्डी, करुणाकर रेड्डी और सोमशेखर रेड्डी के खिलाफ यह पदयात्रा निकाली गई थी।

वैश्विक भूख सूचकांक में 107वें पायदान पर आया भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश से भी पिछड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया के 121 देशों को लेकर तैयार किए गए वैश्विक भूख सूचकांक में भारत अपने पड़ोसी देशों से भी पीछे रह गया है। हंगर इंडेक्स में भारत 107वें पायदान पर आया है, जबकि श्रीलंका 64वें, नेपाल 81वें, बांग्लादेश 84वें और पाकिस्तान 99वें स्थान पर है।

दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान (109) अकेला ऐसा देश है जो इंडेक्स में भारत से भी खराब स्थिति में है। पिछले साल 116 देशों में भारत 101वें स्थान पर रहा था। दरअसल, ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) के जरिए हर साल वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भूख की स्थिति को मापा और ट्रैक किया जाता है। इसकी गणना 4 संकेतकों के आधार पर की जाती है, जिसमें कुपोषण, बच्चों में भयंकर कुपोषण (5 साल से कम उम्र के बच्चे जिनका वजन ऊंचाई के हिसाब से कम है), बच्चों के विकास में रुकावट (जिन बच्चों का वजन उनकी उम्र के हिसाब से कम है) और बाल मृत्युदर शामिल है।

जीएचआई स्कोर 100 पॉइंट के स्केल पर मापा जाता है, जो भूख की गंभीरता को प्रदर्शित करता है। जीरो को बेस्ट स्कोर माना जाता है, यानी भुखमरी की स्थिति नहीं है और 100 का मतलब बुरी स्थिति से है। भारत का स्कोर (29.1) गंभीर श्रेणी में आया है। चीन उन देशों में से है, जिनकी रैंकिंग 1 और 17 के बीच आई है और स्कोर पांच से भी कम है। भारत का चाइल्ड वेस्टिंग रेट (ऊंचाई के हिसाब से कम वजन) 19.3 प्रतिशत है, जो 2014 में (15.1 प्रतिशत) और 2000 में (17.15 प्रतिशत) से भी खराब स्थिति है।

यह दुनिया में सबसे ज्यादा है। अपर्याप्त कैलोरी वाली जनसंख्या का अनुपात भी 2018-2020 में 14.6 प्रतिशत से बढ़कर 2019-2021 में 16.3 प्रतिशत हो गया है। इस हिसाब से देखें तो वैश्विक स्तर पर अल्प-पोषण वाली कुल 828 मिलियन आबादी में से भारत में 224 मिलियन लोग हैं।

हालांकि बाकी दो इंडिकेटर्स में भारत का प्रदर्शन सुधरा है। चाइल्ड स्टंटिंग 2014 में 38.7 प्रतिशत से घटकर 2022 में 35.5 प्रतिशत पर आ गया है। बाल मृत्युदर भी इस अवधि में 4.6 प्रतिशत से घटकर 3.3 प्रतिशत रह गई है।

कुल मिलाकर जीएचआई स्कोर बढ़ने से (2014 में 28.2 और 2022 में 29.1) भारत की स्थिति खराब हुई है। वैश्विक स्तर पर देखें तो 2022 का जीएचआई स्कोर मॉडरेट श्रेणी में रहा है। यह 2014 में 19.1 से थोड़ा सुधरकर 2022 में 18.2 रहा। हाल में दुनिया को कोरोना महामारी, आर्थिक संकट, जलवायु परिवर्तन और यूक्रेन युद्ध जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ा है। इससे वैश्विक स्तर पर खाद्य, ईंधन और उर्वरक के दाम बढ़ेंगे और ऐसे में 2023 की स्थिति और खराब रहने वाली है।

चुनाव आयोग जल्द कर सकता है गुजरात चुनाव की घोषणा, 4 दिसंबर तक दो चरणों में होगा मतदान

गांधीनगर (ईएमएस)। चुनाव आयोग जल्द ही गुजरात विधानसभा चुनाव की तिथियों का भी ऐलान करने वाला है। माना जा रहा है कि राज्य में दो चरणों में मतदान कराया जाएगा, जो चार दिसंबर को खत्म हो जाएंगे। आयोग के सूत्रों के अनुसार, मतों की गिनती हिमाचल के साथ ही हो सकती है। वैसे गुजरात विधानसभा का सत्र अगले साल 18 फरवरी को समाप्त होगा, लेकिन सूबे में समय से पहले चुनाव संपन्न हो जाएंगे ताकि इसका असर हिमाचल पर न पड़े।

हिमाचल में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। वहीं आप भी तीसरी शक्ति के रूप में मैदान में मौजूद है। ऐसे में यहां त्रिकोणीय मुकाबला हो सकता है। पिछले लगभग 37 सालों से हिमाचल में हर पांच साल के बाद भाजपा या कांग्रेस की सरकारें बनती रही हैं। लेकिन इस बार भाजपा के सामने इस ट्रेंड को खत्म करने की चुनौती है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेपी नड्डा ने मोर्चा संभाला हुआ है।

इस बार हिमाचल प्रदेश का चुनाव दिग्गज चेहरों के बिना होगा। कांग्रेस के पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह का निधन हो चुका है, तो भाजपा के शांता कुमार ने , जो राज्य की सत्ता की कमान संभाल चुके हैं, अपनी बढ़ती उम्र की वजह से राजनीति से दूरी बना ली है। वहीं दूसरे पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल जो पिछले चुनाव के दौरान भाजपा का प्रमुख चेहरा थे, वे हार की वजह से रेस से बाहर हैं।

2017 में मुख्य चुनाव आयुक्त एके ज्योति ने हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान क्रमशः 13 अक्टूबर और 25 अक्टूबर को किया था। इस बार नौ नवंबर को हिमाचल प्रदेश में चुनाव होंगे जबकि फिलहाल गुजरात की तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि गुजरात में दो चरणों- नौ और 14 दिसंबर को चुनाव होंगे। दोनों राज्यों में एकसाथ वोटों की गिनती 18 दिसंबर को होगी।

पूर्व चुनाव आयुक्त एके ज्योति ने कहा, 'हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी की वजह से ठंड के मौसम में चुनाव नहीं कराए जा सकते हैं। वहीं गुजरात के मामले में ऐसी कोई बंदिश नहीं है। 2017 में हमने दोनों राज्यों के लिए चुनाव की तारीखों को अलग कर दिया था क्योंकि गुजरात सरकार ने भारी बारिश की वजह से राहत कार्यों को पूरा करने के लिए समय मांगा था। साथ ही हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप आदर्श आचार संहिता 46 दिन से आगे न बढ़े।

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- विश्व के सबसे खतरनाक राष्ट्रों में से एक है पाकिस्तान

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान की छवि विदेशों में काफी खराब है ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि शायद दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक पाकिस्तान है। व्हाइट हाउस ने बाइडेन का यह बयान जारी किया है। बाइडन ने यह बात डेमोक्रेटिक कांग्रेस की अभियान समिति के स्वागत समारोह में कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि इस संघर्ष से दुनिया बहुत प्रभावित हुई है। इसके अलावा उन्होंने अन्य देशों के साथ वॉशिंगटन के संबंधों के बारे में भी बात की।

पिछले महीने ही आठ सितंबर को बाइडेन प्रशासन ने ट्रंप प्रशासन के फैसले को पलटते हुए पाकिस्तान को एफ-16 फाइटर जेट के लिए 45 करोड़ डॉलर (3,651 करोड़ रुपये) के उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी थी। इस फैसले को भारत के लिए झटका माना गया। ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान की सैन्य सहायता उसके द्वारा अफगानिस्तान के तालिबान अतिवादियों और हक्कानी नेटवर्क को संरक्षण और सहायता देने के कारण रोक दी थी।

पाकिस्तान को सैन्य सहायता देने पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने अमेरिकी समकक्ष लायड आस्टिन को फोन कर भारत के हित प्रभावित होने की बात कही थी। इसके बाद अमेरिका के सहायक रक्षा मंत्री एली रैटनर ने कहा था कि पाकिस्तान के लिए स्वीकृत सहायता भारत को किसी प्रकार का संदेश देने के लिए नहीं है। यह सहायता अमेरिका के हितों को ध्यान में रखते हुए और पाकिस्तान के साथ सैन्य सहयोग के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। इससे पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की भी सुरक्षा होगी।

पाकिस्तान में अमेरिका के राजदूत डोनल्ड ब्लोम चार अक्टूबर को पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर के मुजफ्फराबाद का दौरा किया था। यहां वह पाकिस्तान-यूएस अलमनाई के सदस्यों के साथ एक बैठक में शामिल हुए थे। वहीं अमेरिकी दूतावास के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक ट्वीट किया गया है, जिसमें पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर को आजाद जम्मू-कश्मीर लिखा गया था।

ट्वीट में लिखा गया था, 'राजदूत ब्लोम ने पाकिस्तान यूएस अलमनाई के सदस्यों का मुजफ्फराबाद की बैठक में स्वागत किया। यह दुनिया का सबसे बड़ा अमेरिकी अलमनाई प्रोग्राम है। आजाद जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान-यूएस अलमनाई नेटवर्क के 950 सदस्य हैं। हमें इस अलमनाई के जुनून पर गर्व हैं। ये अमेरिका-पाकिस्तान के संबंध को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।'

मैं कांग्रेस में बदलाव के लिए उम्मीदवार हूं, जिन लोगों ने मेरा समर्थन किया वे बागी नहीं हैं - शशि थरूर

गुवाहाटी (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ रहे वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर असम के दौरे पर में कहा कि, ''खड़गे सर (उनके प्रतिद्वंदी मल्लिकार्जुन खड़गे) मेरे भी नेता हैं, हम दुश्मन नहीं हैं। मैं कांग्रेस में बदलाव के लिए उम्मीदवार हूं। जिन लोगों ने मेरा समर्थन किया वे न तो बागी हैं और न ही गांधी (गांधी परिवार) के खिलाफ यह गलत धारणा है। गांधी हमेशा कांग्रेस के साथ हैं। हम भी कांग्रेस के साथ हैं।''

शशि थरूर ने कहा कि, ''हम इस भावना के साथ चुनाव लड़ रहे हैं कि जो भी यह चुनाव जीतेगा, वह कांग्रेस की जीत होगी। कांग्रेस एक नए अध्यक्ष के तहत भारत के लोगों के लिए वैसे ही काम करेगी जैसे कि दशकों से हर अध्यक्ष के अधीन करती रही है।''

थरूर ने कहा कि, ''नए अध्यक्ष के मुख्य कार्यों में से एक 2024 के लिए अन्य दलों को साथ जोड़ना है। हमारी परीक्षा होगी कि क्या हम एक नया राष्ट्रीय गठबंधन बना सकते हैं।''

शशि थरूर ने कहा कि, ''हमारे मतदाताओं में नौ हजार से अधिक कांग्रेसी हैं और हजारों लोग फैसला करेंगे। यह वह समय है जब कांग्रेस को एक नया अध्यक्ष मिल रहा है। युवा देश के हर स्थान पर आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए मेरा मानना है कि कांग्रेस को युवा भारत की पार्टी होनी चाहिए। हमें युवाओं के जरिए कांग्रेस पार्टी का कायाकल्प करने की जरूरत है।''

कांग्रेस सांसद ने कहा कि, ''मुझे पार्टी के नेताओं का भाजपा में जाने का दुख है। यह एक प्रमुख मुद्दा होगा जिसे मैं अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर संभाल लूंगा। निर्वाचित होने पर हम कार्यसमिति के चुनाव कराएंगे। मैं अधिकार सौंपने में दृढ़ता से विश्वास करता हूं।''

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण : गोदरेज ने 264 करोड़ रुपये मुआवजे के फैसले को चुनौती दी

मुंबई, (ईएमएस)। बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए अधिग्रहित 10 हेक्टेयर भूमि के लिए 264 करोड़ रुपये का मुआवजा तय करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को गोदरेज एंड बॉयसी कंपनी ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। दूसरी ओर, परियोजना, जो 534 किमी लंबी है और ठाणे की खाड़ी से होकर गुजरती है, दिसंबर 2023 में काम शुरू करने की उम्मीद है। इसलिए राज्य सरकार ने भी कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की है कि मुआवजे की राशि तुरंत कोर्ट में जमा की जाए ताकि जनहित में प्रोजेक्ट का काम जारी रखा जा सके. कंपनी ने राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण के लिए निर्धारित मुआवजे की राशि अदालत में जमा करने से रोकने के लिए एक अंतरिम आदेश की भी मांग की है। केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जहां महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों के बीच केंद्र सरकार की एक समिति के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा, वहीं मुआवजे की राशि जल्द से जल्द जमा करने की अनुमति मांगी गई है. अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकार कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के लिए तैयार है। कंपनी की याचिका पर हाल ही में न्यायमूर्ति नितिन जामदार और न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। उस समय कोर्ट ने कंपनी को 2019 से लंबित याचिका में संशोधन करने और मुआवजे को लेकर सरकार के फैसले को चुनौती देने की अनुमति दी थी। तदनुसार, कंपनी ने मुआवजे की राशि निर्धारित करने के लिए सरकार को चुनौती दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अंतरिम राहत प्रदान करने के संबंध में सुनवाई अगले सप्ताह होगी। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार और अन्य प्राधिकारियों को कंपनी की संशोधित याचिका पर जवाब दाखिल करने का भी आदेश दिया. पिछले महीने राज्य सरकार ने मुंबई के विक्रोली में कंपनी के स्वामित्व वाली जमीन के लिए 264 करोड़ रुपये का मुआवजा तय किया था। इस परियोजना में विक्रोली से शुरू होने वाली 21 किमी की पानी के नीचे सुरंग शामिल है। मार्च 2018 में, राज्य सरकार ने निजी बातचीत के माध्यम से विक्रोली में भूमि अधिग्रहण के लिए एक नोटिस जारी किया। यह नोटिस पुनर्वास और पुनर्वास अधिनियम, 2013 के उचित मुआवजे और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत जारी किया गया था। 15 सितंबर को उप जिलाधिकारी ने मुआवजे की राशि तय की. लेकिन कंपनी ने दावा किया है कि 15 जुलाई 2020 को सुनवाई के बाद 26 महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भूमि अधिग्रहण रद्द कर दिया गया है।

ब्रिटिश गृह मंत्री के एफटीए समझौते के विरोध पर भारत को आपत्ति, यूके सरकार ने दी सफाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन के भारतीय प्रवासियों को लेकर दिए गए बयान पर भारत कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। सुएला के बयान के बाद से ही भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अटक जाने के कयास लगाए जा रहे हैं। ब्रिटिश गृह मंत्री ने मुक्त व्यापार समझौते का विरोध करते हुए कहा था कि इससे भारतीय प्रवासियों की भीड़ बढ़ जाएगी। ब्रिटेन ने अब इस मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि ब्रिटेन भारत के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाना चाहता है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली से भारतीय प्रवासियों के बारे में गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन की टिप्पणियों और एफटीए डील के बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन का सहयोग कई क्षेत्रों में मजबूत रहा है। हम इस डील के द्वारा व्यापार क्षेत्र में भी सहयोग को मजबूत बनाना चाहते हैं।

ब्रिटेन के ट्रेड सेक्रेटरी केमी बडेनोच ने कहा कि हम इस डील पर अभी भी काम कर रहे हैं। भारत से कई मुद्दों पर बातचीत जारी है। डील की गति के बजाय गुणवत्ता पर ध्यान देने की कोशिश है। इसलिए यह डील तय समय सीमा दीवाली तक नहीं हो पाएगी। ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने इससे पहले कहा था कि भारत और ब्रिटेन के बीच यह डील दीवाली से पहले हो जाएगी। ब्रिटेन की गृह मंत्री की टिप्पणी पर भारत ने भी प्रतिक्रिया दी थी। मोदी सरकार ने कहा था कि भारत और ब्रिटेन के बीच वीजा और प्रवास से संबंधित बातचीत चल रही है। अभी इस तरह के बयान का कोई औचित्य नहीं बनता है। भारत ने यह भी कहा था कि भविष्य में कोई भी समझौता दोनों तरफ के हितों को देखते हुए किया जाएगा। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते का कड़ा विरोध किया था। एक ब्रिटिश पत्रिका को दिए एक इंटरव्यू में ब्रेवरमैन ने कहा था कि ब्रिटिश लोगों ने ब्रेग्जिट से हटने के लिए इसलिए वोट नहीं किया था कि भारतीयों के लिए ब्रिटेन की सीमा इस तरह से खोल दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी ब्रिटेन में अपनी वीजा अवधि से ज्यादा समय बिताते हैं। इस डील से ब्रिटेन में भारतीयों की भीड़ बढ़ जाएगी।

शाहरुख का बेटा ड्रग्स लेते पकड़ा गया, वो जेल गया, सलमान भी ड्रग्स लेता है - बाबा रामदेव

मुरादाबाद (ईएमएस)। योग गुरु बाबा रामदेव ने बड़ा बयान दिया है. बाबा ने कहा- शाहरुख का बेटा ड्रग्स लेते पकड़ा गया, वो जेल गया। सलमान भी ड्रग्स लेता है। आमिर लेता है या नहीं, ये पता नहीं। पूरा बॉलीवुड ड्रग्स की चपेट में है। एक्ट्रेस का तो भगवान ही मालिक है।

उन्होंने कहा- इस्लाम में कोई शराब पी ले तो उसे कहते हैं कि वो नापाक हो गया, लेकिन जिन्ना दारू पीता था। इस्लाम में शराब को लेकर सख्ती है, तो वहां बीड़ी-सिगरेट का नशा हावी हो गया है। आज पूरे देश में कोई पवित्र समाज है तो वो सिर्फ आर्य समाज है, जिसे मानने वाले किसी भी प्रकार का नशा नहीं करते।

बाबा रामदेव मुरादाबाद में सर्किट हाउस के पीछे बुद्धि विहार फेस टू में हुए आर्यवीर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- चुनाव आते ही कुछ राजनीतिक दल समाज को जातियों और पंथों में बांटने की कोशिश शुरू कर देते हैं। ओबीसी, दलित, आदिवासी, मुसलमान का गठजोड़ बनाने की कोशिश होती है। लेकिन ये कभी अपने मकसद में कामयाब नहीं होंगे।'

उन्होंने कहा- सिर्फ आर्य समाज है, जो कोई भेदभाव नहीं करता। यहां सभी जातियां एक समान हैं। आर्य समाज देश को जातिमुक्त और समानतायुक्त बनाने की दिशा में काम कर रहा है। आर्य समाज लोगों को आचरण और चरित्र से लेकर हर तरह की दिव्यता प्रदान कर रहा है।

बाबा रामदेव ने कहा- परिवर्तन शासन से नहीं बल्कि आत्म अनुशासन से आएगा। ये आत्म अनुशासन आर्य समाज सिखाता है। योग गुरु ने गुजरात और बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि शराबबंदी से नशा मुक्ति संभव नहीं है। बिहार और गुजरात में शराब बंदी के बावजूद लोग शराब पी रहे हैं। नशामुक्ति आत्म अनुशासन से ही हो सकती है। मैंने कुंभ में साधुओं की चिलम भी छुड़वाई है। मैं साधुओं से कहता हूं कि आपने तमाम व्यसन और सांसारिक मोह माया भी छोड़ दी तो फिर चिलम क्यों नहीं छोड़ देते।

अगर में मुजरिम हूँ तो मुझे सजा मिले - हेमंत सोरेन

रांची (ईएमएस)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि अगर में मुजरिम हूँ तो मुझे सजा मिलनी चाहिए। संवाददाता सम्मेलन में सीएम सोरेन से जब पूछा गया कि राज्यपाल ने चुनाव आयोग की उनके 'ऑफिस ऑफ प्रॉफिट' मामले में सदस्यता को लेकर अनुशंसा पिछले कई हफ्तों से लटकाया हुआ है, इस पर आप क्या कहेंगे, तो उन्होंने कहा कि ये देश की पहली घटनी है, जहां मुख्यमंत्री को क्या सजा मिलनी है, उसका वो खुद आग्रह कर रहा है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि आपने कभी किसी मुजरिम को सजा मांगने का आग्रह करते नहीं देखा होगा, अगर मैं मुजरिम हूं तो मुझे सजा सुना दिया जाए। उन्होंने कहा कि मुझे कोई चिंता नहीं है। राज्यपाल का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने कहा कि ये अनिश्चितता और राज्य के कार्यपालिका के अंदर संशय की स्थिति उत्पन्न करने के लिए कोई जिम्मेदार है, तो आप समझ सकते हैं कि जिम्मेदारी किसकी है।

वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जब ये पूछा गया कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान से आप सहमत हैं कि झारखंड और बिहार में माओवादी समस्या का खात्मा हो गया है? तो उन्होंने कहा कि ये बहुत हद तक कम हुआ है, लेकिन इस काम में राज्य सरकारों की एक अहम भूमिका रही है।

पीएम मोदी आज 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों का करेंगे उद्घाटन

श्रीनगर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार आज जम्मू कश्मीर की दो डिजिटल बैंकिंग इकाइयों समेत कुल 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा उद्घाटन कर शुभारंभ करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री वित्तीय समावेशन को मजबूती देने के लिए देश भर के विभिन्न बैंकों की 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयों को रविवार को राष्ट्र के नाम समर्पित करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा इन इकाइयों का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित भी करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि इन नई डिजिटल बैंकिंग इकाइयों में जम्मू कश्मीर की दो डिजिटल बैंकिंग इकाइयां भी शामिल हैं। इनमें से एक श्रीनगर के लाल चौक पर स्थित एसएसआई शाखा है जबकि दूसरी जम्मू की चन्नी राम शाखा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में देश भर के 75 जिलों में डिजिटल बैंकिंग इकाइयां स्थापित करने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर 75 डिजिटल बैंकिंग इकाइयां खोली जाएंगी। इन इकाइयों की शुरुआत के पीछे सोच यह है कि देश के हरेक हिस्से तक डिजिटल बैंकिंग की पहुंच हो। इस पहल में सार्वजनिक क्षेत्र के 11 बैंक, निजी क्षेत्र के 12 बैंक और एक लघु वित्त बैंक शामिल हो रहे हैं। इन डिजिटल बैंकिंग इकाइयों में ग्राहक बचत खाता खोलने, अपने खाते में बची राशि पता करने, पासबुक प्रिंट कराने, पैसे भेजने, सावधि जमा निवेश के अलावा क्रेडिट-डेबिट कार्ड और कर्ज के लिए आवेदन जैसे काम कर सकेंगे।

कार्टून कोना

कोलंबिया में यात्रियों से भरी बस दुर्घटना का शिकार, 20 लोगों की मौत 14 घायल

बोगोटा कोलंबिया से भीषण बस दुर्घटना की खबर सामने आई है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक हादसे में करीब 20 लोगों की मौत हुई है। साथ ही 14 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक हादसा यात्रियों से भरी बस पलटने के बाद हुआ है

हादसे के लेकर स्थानीय मीडिया द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक यह दुर्घटना शनिवार को सुबह के वक्त हुई है। आशंका जाहिर की जा रही है कि, कोई मैकेनिकल कमी हो जाने के कारण यात्रियों से भरी बस पलट गई। हादसे में गनीमत तो यह रही है कि, बस पलटने के बाद पहाड़ी से नीचे नहीं गिरी। यदि ऐसा होता तो मृतकों की संख्या में और अधिक बढ़ोतरी हो सकती थी। बस पलटने के बाद, सड़क किनारे बने बैरियर से आकर अटक गई थी।

वहीं, तुर्की की कोयला खदान में हुए धमाके में कुल 41 लोगों की मौत हुई है। खदान में शुक्रवार को धमाका हुआ था, जिसके बाद से राहत और बचाव कार्य लगातार जारी था। यह खदान राज्य के स्वामित्व वाली ऊऊख ै श्लोा श्ल्ल्त्लुल खदान है, जो अमासरस शहर में स्थित है। हादसे में कई लोगों के घायल होने की बात भी सामने आई है। जिनका इलाज जारी है। राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने घोषणा की है कि, हादसे के बाद से लापता अंतिम व्यक्ति को खोज लिया गया है, वो मृत पाया गया है।

ईसरो के जीएसएलवी एमके3 की पहली कमर्शियल उड़ान 23 को सुबह 7 बजे श्रीहरिकोटा से होगी लॉन्च

-इसके साथ ही ग्लोबल कमर्शियल लॉन्च सर्विस मार्केट में प्रवेश कर जाएगा जीएसएलवी एमके3

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने घोषणा की है कि वह रॉकेट जीएसएलवी एमके3 को लेकर पहली व्यावसायिक उड़ान लॉन्च करने जा रहा है। इसरो ने बताया कि 23 अक्टूबर को सुबह 7 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सैटेलाइट संचार कंपनी वनवेब के साथ 36 सैटेलाइट को लॉन्च किया जाएगा।

इस लॉन्च के साथ ही जीएसएलवी एमके3 ग्लोबल कमर्शियल लॉन्च सर्विस मार्केट में प्रवेश कर जाएगा। इसरो ने कहा कि एलवीएम3-एम2 / वनवेब इंडिया-1 मिशन के लॉन्च का समय 23 अक्टूबर 2022 को सुबह 7 बजे है। क्रायो स्टेज इक्विपमेंट बे (ईबी) असेंबली पूरी हो गई है। उपग्रहों को इनकैप्सुलेट किया गया है और वाहन में असेंबल किया गया है। अंतिम वाहन जांच प्रगति पर है। इसरो इस प्रक्षेपण को न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (इसरो की वाणिज्यिक शाखा) और यूके स्थित लो अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट संचार कंपनी वनवेब के बीच एक अनुबंध के हिस्से के रूप में कर रहा है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने लॉन्च देखने के लिए लोगों के लिए व्यूइंग गैलरी भी खोली है। कोरोना महामारी के बाद यह पहली बार किया जा रहा है कि लोगों को लॉन्च देखने के लिए मौका मिला है। भारत के सबसे भारी रॉकेट लॉन्च को यूनाइटेड किंगडम स्थित नेटवर्क एक्सेस एसोसिएटेड लिमिटेड द्वारा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के माध्यम से खरीदा गया था। भारती समूह समर्थित वनवेब ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करने के लिए पृथ्वी के ऑर्बिट में उपग्रहों का एक समूह है।

यह पहली बार है जब भारत के सबसे भारी रॉकेट को कमर्शियल प्रक्षेपण के लिए प्रयोग किया जा रहा है। इसके अलावा, यह पहली बार होगा जब भारत के वर्कहॉर्स पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) के अलावा किसी रॉकेट का इस्तेमाल कमर्शियल लॉन्च करने के लिए किया जा रहा है। वर्तमान में भारत के पास तीन परिचालन प्रक्षेपण वाहन हैं- पीएसएलवी, जीएसएलवी, और जीएसएलवी एमके 3। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक छोटा उपग्रह प्रक्षेपण यान भी विकसित किया है, जिसकी पहली उड़ान इस साल की शुरुआत में आंशिक सफल रही थी।

जन हितैषी

लीज डीड के नाम पर दादागिरी

केंद्र एवं राज्य सरकारें विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड एवं सरकारी उपक्रम लीज डीड के माध्यम से जमीन किराए पर देने का काम करते हैं। रियायती दर पर विशेष उद्देश्य के लिए यदि सरकार कोई जमीन आवंटित करती है, तो इस पर जो शर्तें लगाई जाती हैं। उसका भू भाटक तय करती हैं। जिस काम के लिए जमीन दी गई है,जमीन का उपयोग उसी काम के लिए हो। उस स्थिति में लीज डीड में दिए गए अधिकार और शर्तों को नियमानुसार कानूनी और जायज माना जाता है।

पिछले पांच दशक में केंद्र एवं राज्य सरकारों ने विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड सरकारी और अधिग्रहित जमीन को विकसित कर मार्केट रेट पर विक्रय किया जाता है। उक्त संस्थाओं द्वारा आवासीय और कामर्शियल भूखंडों के बाजार रेट तय किए जाते हैं। उनकी खुली नीलामी की जाती है। मार्केट रेट से या उससे अधिक पैसे लिए जाते हैं। लेकिन अधिकार के रूप में नियम और शर्तों के साथ लीज डीड 30 वर्ष या इससे कम अवधि की होती है। हर साल का भू -भाटक लीज डीड की शर्तों में तय किया जाता है। निर्धारित अवधि के पश्चात लीज का नवीनीकरण कराना अनिवार्य होता है।

पिछले वर्षों में यह देखा गया है कि संबंधित प्राधिकरण हाउसिंग बोर्ड और सरकार लीज डीड में वर्णित नियमों को बदलकर नए नियम लागू कर देती हैं। लीज डीडधारी से नियम और शर्तों की आड़ पर जबरिया शुल्क की वसूली की जाती है। इन विभागों के अधिकारी नियम एवं शर्तों में हुए परिवर्तन को लेकर तरह तरह से लीज धारियों को परेशान करते हैं। जिसके कारण भारी भ्रष्टाचार भी होता है। नियमों में परिवर्तन करने से न्यायलयीन मुकदमों की संख्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जब सरकार ने मार्केट रेट पर जमीन आवंटित की थी। उस समय पूरे अधिकार ना देकर एक तरह से भूखण्ड खरीदने वालों को धोखा दिया जाता है। पूरी कीमत देकर जमीन खरीदने वाले बाद में अपने आपको ठगा हुआ मानते हैं। जमीन एवं भवन निर्माण के लिए बैंक से लोन लेकर लोग अपना मकान बनाते हैं। जमीन की कीमत से कई गुना ज्यादा पैसा मकान बनाने में खर्च करते हैं। उसके बाद लीज नवीनीकरण के दौरान उन्हें जो कष्ट और मानसिक वेदना होती है। उसका वर्णन कर पाना भी कठिन है।

आमतौर पर लोग सरकार और सरकार के संस्थानों पर आंख मूचकर भरोसा करते हैं। संस्थान अपनी लीज डीड की शर्तों का पालन करेंगे। लेकिन पिछले कई वर्षों में सरकार ने,अपनी आय बढ़ाने के लिए, अपने ही बनाए नियम और कानूनों को तोड़ना शुरू कर दिया है। यह चिंता की सबसे बड़ी बात है। पिछले कुछ वर्षों में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से लोन लेने मैं लीज डीड एवं मंजूरी के दस्तावेजों का उपयोग होता है।कानूनी रूप से उनको अपडेट कराने के लिए लोगों को लगातार अधिकारियों के चक्कर लगाने और परमिशन लेने के लिए परेशान होना पड़ता है।

लीज डीड और फ्रीहोल्ड में खरीदी गई जमीनों के अधिकारों में बहुत बड़ा अंतर है। लीज डीड के माध्यम से जमीन पर जो अधिकार मिलता है। वह किराएदार की तरह ही होता है। इसमें बिना मकान मालिक की अनुमति के किराएदार के लिए एक कील ठोकना भी मुश्किल होता है। कुछ इसी तरह की स्थिति सरकार में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों ने लीज डीड को अपनी अवैध कमाई का जरिया बना लिया है। परिणाम स्वरूप अब लोगों का विश्वास धीरे-धीरे लीज डीड पर खत्म होता जा रहा है। यही कारण है कि आज अरबों रुपए की जमीन विकास प्राधिकरण और हाउसिंग बोर्ड की नहीं बिक पा रही है। सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। लीज डीड पर जमीन खरीदने वालों को भी अपने अधिकारों को लेकर संघर्ष करना पड़ता है। मार्केट रेट पर बेची गई सम्पत्ति पर लीज होल्ड के स्थान पर फ्री होल्ड के अधिकार सरकार को देने पर विचार करना चाहिए।

बुलडोज़र राज : दबंग की छवि के लिये मानवाधिकार को ठेंगा

भारतीय राजनीति का एक दौर वह भी था जबकि राजनेता, जनता के समक्ष एक विनम्र,उदार,सज्जन व मृदुभाषी नेता रूप में अपनी छवि बनाकर रखना चाहते थे। और उनकी कोशिश होती थी कि उनकी वाणी,आचरण तथा कार्यशैली से भी ऐसा ही संदेश जनता तक पहुंचे। यही वजह थी कि ऐसे राजनेता समाज के हर वर्ग में समान रूप से लोकप्रिय हुआ करते थे। परन्तु समय बीतने के साथ साथ न केवल राजनीति का स्वरूप बदलता गया बल्कि राजनेताओं की कार्यशैली उनके स्वभाव उनकी नीयत व नीतियों में भी काफ़ी बदलाव देखा जाने लगा। इसका नतीजा यह हुआ कि आज के राजनेता स्वयं को विनम्र,उदार,सज्जन व मृदुभाषी नेता रूप में पेश करने के बजाये उग्र,आक्रामक,कटु वचन यहां तक कि विभाजनकारी बोल बोलने वाला एवं दबंग नेता के रूप में पेश करने लगे हैं। आज अनेक जनप्रतिनिधि सार्वजनिक सभाओं में खुले आम ग़ैर संवैधानिक बातें करते,अपने समर्थकों को धर्म व जाति विशेष के लोगों के विरुद्ध हिंसा के लिये उकसाते,ज़हर उगलते तथा विद्वेष फैलाते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतें भी इनकी 'हेट स्पीच ' से परेशान हैं और कई बार इनपर तल्ख़ टिप्पणियां भी कर चुकी हैं। परन्तु सत्ता के संरक्षण,मीडिया द्वारा ऐसे नेताओं के महिमामण्डन तथा उन्हें शोहरत के शिखर तक पहुँचाने से ऐसे नेताओं को नियंत्रित करने के बजाये उल्टे इन्हें शह मिल रही है और ऐसे नेताओं की तादाद दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

राजनीति के इसी अंदाज़ ने शासन व्यवस्था में भी अपनी जगह बना ली है। ठोक देंगे,गर्मी निकाल देंगे,खंडहर बना देंगे जैसी तीसरे दर्जे की भाषा का इस्तेमाल अब संवैधानिक पदों पर बैठे राजनेताओं द्वारा किया जाने लगा है। और आक्रामकता के इसी क्रम में जे सी बी यानी बुलडोज़र का भी प्रवेश हो चुका है। किसी अपराध के आरोपी या आरोपियों का मकान,दुकान या किसी धर्मस्थान आदि कुछ भी ढहा देना किसी भी सरकार या शासन के लिये अब आम बात बनती जा रही है। हालांकि पूर्व में भी अवैध इमारतों के गिराये या ढहाये जाने की कार्रवाइयां होती रही हैं। परन्तु इसके लिये सरकार या संबंधित विभाग को पूरी क़ानूनी प्रक्रिया के दौर से गुज़रना होता है। परन्तु अब तो अदालती आदेशों के बिना ही किसी भी संदिग्ध या आरोपी व्यक्ति का भवन आनन फ़ानन में खंडहर कर देना किसी सरकार के लिये मामूली बात हो गयी है। और यदि ज़्यादा शोर शराबा हो तो सरकार उसे अवैध निर्माण बता देती है। साथ ही यह सन्देश देने की भी कोशिश करती है कि सरकार अपराधियों के प्रति सख़्त है और अपराध के विरुद्ध ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है।

उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ बुलडोज़र का ध्वस्तीकरण अभियान मध्य प्रदेश होते हुए दिल्ली,गुजरात आसाम और राजस्थान सहित कई राज्यों तक पहुंच चुका है। दंगाइयों व उपद्रवियों के नाम पर आरोपियों के मकान गिराये जा रहे हैं। किसी को अपने नाम के साथ 'बुलडोज़र बाबा ' लिखे जाने में गर्व है तो कोई 'बुलडोज़र मामा ' की उपाधि से ख़ुश है। हद तो यह कि राजनेताओं की आक्रामक छवि बनाने के लिये उनकी फ़ोटो के साथ बुलडोज़र के चित्र छपे बड़े बड़े फ़्लेक्स बड़े बड़े शहरों के मुख्य मुख्य चौराहों पर लगाये जाने लगे हैं। इसतरह के इश्तेहारों के माध्यम से भी यही सन्देश दिया जाता है कि देखो उनका नेता कितना सख़्त व दबंग है। इन नेताओं के समर्थक विदेशों में भी बुलडोज़र पर अपने 'बुलडोज़री नेता' के आदम क़द चित्र लगाकर जुलूस निकाल रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने जब इसी वर्ष 20-21 अप्रैल को जब भारत का दो दिवसीय दौरा किया तो उन्हें भी अपने भारत दौरे के दूसरे दिन यानी 21 अप्रैल को गुजरात के वड़ोदरा स्थित एक निजी जे सी बी (बुलडोज़र) कम्पनी का दौरा कराया गया और उनका बुलडोज़र पर लटके हुए एक विवादित फ़ोटो शूट कराया गया जिसकी देश विदेशों में बहुत आलोचना भी हुई।

अपराधियों के प्रति सख़्ती से पेश आना निश्चित तौर पर बहुत ज़रूरी है। परन्तु आरोपी व अपराधी में अंतर रखना भी बहुत ज़रूरी है। निष्पक्ष होना भी ज़रूरी है। किसी व्यक्ति या समुदाय विशेष के प्रति शासक व शासन द्वारा दुराग्रह रखना भी न्याय संगत नहीं। और ख़ास तौर से ऐसा करते समय पूरी क़ानूनी प्रक्रिया का पालन करने के साथ साथ संबंधित पक्ष के सभी सदस्यों के मानवाधिकारों की रक्षा करना भी बेहद ज़रूरी है। मध्य प्रदेश में तो एक ऐसा मामला भी सामने आया कि धर्म विशेष से सम्बन्ध रखने वाले दंगे के एक आरोपी के जिस मकान को गिराया गया वह उसका मकान भी नहीं था बल्कि वह उस मकान में किराये पर रहता था। इससे बड़ा अन्याय या शासकीय पूर्वाग्रह पूर्ण ज़ुल्म और क्या हो सकता है। यदि मान लिया जाये कि शासन की नज़र में कोई आरोपी ही वास्तविक अपराधी भी है तो भी उसका मकान ध्वस्त कर उसके मां बाप भाई बहन व पत्नी बच्चों को भी घर से बेघर कर देना,यह क़ानून की किस किताब में लिखा है ? सरकार व क़ानून का काम अपराधी को सज़ा देना है न कि उसके पूरे परिवार को? परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे पूर्वाग्रही शासक जो ग़रीब को रोज़गार मुहैय्या नहीं करा सकते,बेघर को घर नहीं दे सकते वे मात्र अपनी आक्रामक छवि स्थापित करने की ख़ातिर सरकारी मशीनरी का सहारा लेकर आनन फ़ानन में किसी को अपराधी बता कर उसका मकान ध्वस्त कर डालते हैं। भले ही वह मकान आरोपी या अपराधी के नाम है अथवा नहीं ?

संभव है कि राजनीति के वर्तमान अंधकारमय युग में दबंग या आक्रामक छवि निर्माण करना और इसके माध्यम से किसी वर्ग विशेष को आहत करते हुए किसी दूसरे वर्ग को ख़ुश करना सस्ती राजनीति की ज़रुरत बन चुकी हो। परन्तु अपनी ऐसी दबंग आक्रामक छवि बनाने के लिये क़ानून,अदालत व मानवाधिकारों को ठेंगा दिखाना क़तई न्याय संगत नहीं। (लेखिका-निर्मल रानी/ ईएमएस)

दुनिया में भोजन की बर्बादी और भुखमरी गंभीर चुनौती।

(विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर पर विशेष)

विश्व खाद्य दिवस का शुभारंभ 16 अक्टूबर1945 को हुआ। 22 अक्टूबर 2022 को इस दिवस की 77 वीं वर्षगांठ है। प्रति वर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। विश्व खाद्य दिवस दुनिया के लगभग 150 देशों में भुखमरी एवं निर्धनता हेतु जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना भी है कि भोजन एक बुनियादी और मौलिक मानव अधिकार है। दुनिया भर के 23इ भूखे लोग भारत में रहते हैं। विश्व खाद्य दिवस की 2022 की थीम ठकिसी को पीछे ना छोड़ेठ है। दुनिया में प्रतिदिन भोजन की बर्बादी और भुखमरी की विकराल समस्या को ध्यान में रखकर हर वर्ष विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। मगर यह समस्या कम नहीं हुई है। दुनिया में 80 करोड़ से अधिक लोग भुखमरी के बोझ को अभिशाप मान रहे हैं। अनगिनत भूख से पैदा हुई गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे है। वही अगर अरबों टन भोजन बर्बाद होता है तो सोचना होगा हम कैसी सभ्यता का सृजन कर रहे हैं। दुनिया भर में करोड़ों लोग ऐसे हैं जिनके घरों में शाम को चूल्हा नही जलता बच्चों के मूँह में निवाला नहीं जाता और दूसरी ओर मानव सभ्यता का सिर शर्म से झुका देने बाला तथ्य यह है कि हर वर्ष 750 अरब अर्थात 47 लाख करोड़ का भोजन बर्बाद होता है।

हर वर्ष भोजन उत्पाद का 50 प्रतिशत भाग सड़ता, गलता, फैंका और बहाया जाता है। दुनिया भर में जो भोजन बर्बाद होता है उसके उत्पादन में कृषि योग्य 28 प्रतिशत जमीन का उपयोग होता है। और एक वर्ष में रूस की वोल्गा नदी में जितना पानी बहता है उतना सिचाई में लग जाता है। भारत में अनाज, दालें, फल, सब्जियों के कुल उत्पादन का 40 प्रतिशत बर्वाद होता है, जिसका बाजार मूल्य 50 हजार करोड़ रुपये है। इसमें मीट की बर्वादी मात्र 4 प्रतिशत है लेकिन इससे आर्थिक नुकसान 20 प्रतिशत होता है। विश्व भोजन बर्वादी में 3-3 अरब टन ग्रीन हाउस गैसें निकलती हैं, जिसमें मिथेन गैस सर्वाधिक निकलती है।

संयुक्त राष्ट्र संघ की अबाँइडिंग फ्यूचर फेमाइन्स की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में लगभग एक तिहाई भोज्य उत्पाद मनुष्य के मूँह तक नहीं पहुँच पाते। वह या तो रास्ते में रखरखाव ठीक से नहीं होने के कारण बर्वाद हो जाते है या उपभोक्ता उन्हें स्वयं ही नष्ट कर देते हैं। संयुक्त पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्ट फूड वेस्टेज फुटप्रिंट, इम्पेक्ट आँन रिसोर्सेज ने यह जानकारी दी है कि हर वर्ष विश्व भर में लगभग 1.3 अरब टन भोजन की बर्वादी होती है। विगत वर्षो संयुक्त राष्ट्र संघ ने यह आंकड़ा विश्व पर्यावरण दिवस पर जारी किया जिसकी थीम सोचो खाओ और बचाओ थी। उत्तरी अमेरिका और यूरोप के उपभोक्ता हर वर्ष लगभग 20-20 करोड़ टन भोजन कूड़ेदान के हवाले कर देते हैं। जबकि अफ्रीका सहारा उपक्षेत्र का कुल उत्पादन ही 20.30 करोड़ टन है। यह आंकड़े स्वीडिस फूड एंड वायोटेक्नोलाजी और फूड एंड एग्रीकल्चर आर्गेनाइजेशन के अध्ययन पर आधारित है। अध्ययन में यह कहा गया है कि भोजन की यह बर्वादी खेतों से खाने की थाली में पहुंचने की प्रक्रिया में होने बाली गड़बड़ का परिणाम है।

विकसित और विकासशील देशों में भोजन बर्वादी के अलग-अलग स्वरूप है भारत जैसे विकासशील देशों में खराब प्रबंधन, पुरानी तकनीकी और अपर्याप्त असुरक्षित संरक्षण के कारण अनाज खेत से गोदाम के बीच सड़ता है।विकसित देशों में विकसित देशों में यह बर्वादी खाना बनाने के बाद होती है। पड़ौसी देश पाकिस्तान में भी रखरखाव की कमी के कारण कुल उत्पादन का 16 प्रतिशत यानि 30 टन से अधिक अनाज लोगों तक नहीं पहुंच पाता जबकि वहाँ की जनसंख्या का 36 प्रतिशत गरीबी की रेखा के नीचे है। 40 प्रतिशत बच्चे कुपोषण से ग्रस्त है।

एशिया लेटिंग और यूरोप एशिया के औद्योगिक क्षेत्र यूरोप दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में सब्जियों और मांस उत्पादों की 68 प्रतिशत बर्वादी धनान्य देशों में होती है। अमेरिकी 25 प्रतिशत भोजन फेंकते हैं और यूरोपियन एक तिहाई फेंकते इसलिये है कि खाने से ज्यादा खरीद लेते हैं। इसी स्थिति में विचाराधीन प्रश्न यह है कि भोजन बर्वाद होता है और लोग भूखे रहते हैं। भोजन फेंकने से पर्यावरणीय समस्याएं बढ़ती हैं। पानी खाद का अपव्यय होता है। मानव श्रम का अपमान होता है।

स्वयं सेवी संगठन द हंगर प्रोजेक्ट के अनुसार दुनिया के लगभग 80.7 करोड़ लोग भुखमरी के शिकार है 98 प्रतिशत पीड़ित भारत जैसे विकासशील के नागरिक है। हर वर्ष भारत में उतना गेहूं बर्वाद होता है जितनी आस्ट्रेलिया की वार्षिक पैदावार है। इससे वार्षिक कृषि लाभ में 50 हजार करोड़ का नुक्सान होता है और इससे 30 करोड़ लोगों के भोजन की पूर्ति हो सकती है। 2.1 करोड़ टन अनाज हर वर्ष इस कारण सड़ गल जाता है कि उसे सुरक्षित रखने के लिये कोल्ड स्टोरेज और सुव्यवस्थित कार्य योजना नहीं है। उत्पादन से उपभोक्ता तक पहुंचने सब्जियों और फलों का 40 प्रतिशत रेफ्रिजरेटर वाहनों की कमी, खराब सड़क, गड़बड़ मौसम और भृष्टाचार की वजह से कचरे के ढ़ेर में चला जाता है। एक वर्ष में भारत का प्रति व्यक्ति 6-11 किलो भोजन बर्वाद करता है। जबकि अमेरिका में यह आँकड़ा 95-111 किलो है। कृषकों की एक और समस्या है उनकी फसलें एवं सब्जियां अधिक वर्षा, ओलावृष्टि एवं अधिक ठंड में पाला पड़ने से नष्ट हो जाती हैं।

विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर हम गंभीरता से विचार करें बर्वाद हो रहे भोजन को बचाया जाये जो बड़ी विश्व जनसंख्या का पेट भरने के लिये पर्याप्त है इससे हम अनाज के अतिरिक्त उत्पादन के भार से बचेंगे, भूमि, जल, पर्यावरण और श्रम को नष्ट होने से बचायेंगे। दुनिया में रही भोजन की बर्वादी रोकने गंभीरता से प्रयास आवश्यक है। उत्पादन से उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया ठीक हो, सरकार रेफ्रिजरेटर वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था करे और पैदावार को सुरक्षित रखने की संरचना को विकसित करे। विकाशील देशों में भोजन की बर्वादी का दूसरा बड़ा कारण होटल और सामुहिक भोज आयोजन है। इसका सरल उपाय है अन्य व्यवस्थाओं के साथ ऐसे व्यक्तियों, संस्थाओं से भी संपर्क किया जाये जो जरूरतमंदों को भोजन वितरण के कार्य में जुटे हैं। गरीबी, भूख और भोजन की गहरी गुत्थी है जिसको हल किया जाना तत्काल आवश्यक है। (लेखक - विजय कुमार/ईएमएस) (लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।)

राजस्थान को लेकर सतर्क है कांग्रेस आलाकमान

राजस्थान कांग्रेस में चल रहे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह से सतर्क नजर आ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी राजस्थान पर पूरी नजर रखे हुए हैं। जिस तरह से 25 सितंबर को दिल्ली से आए कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन के सामने कांग्रेस के विधायकों ने प्रदर्शन किया था। उससे पार्टी में चल रही अंदरूनी फूट उजागर हो गई थी। जयपुर की घटना से कांग्रेस आलाकमान सकते में आ गया था। उस घटना से कांग्रेस पार्टी पूरे देश में एकबारगी तो बैकफुट पर नजर आने लगी थी। इसीलिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजस्थान गए पार्टी पर्यवेक्षकों से पूरे घटनाक्रम की लिखित में रिपोर्ट ली थी। ताकि जरूरत पड़ने पर उसी के मुताबिक कार्यवाही की जा सके।

पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट पर ही गहलोत समर्थक तीन नेताओं शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौड़ को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। हालांकि अभी कांग्रेस अनुशासन समिति ने कारण बताओ नोटिस की कार्यवाही को ठंडे बस्ते में डाल रखा है। कांग्रेस अनुशासन समिति के सचिव तारीक अनवर द्वारा हाल ही में दिये गये बयान से तो लगता है कि कारण बताओ नोटिस पर शायद ही कोई कार्यवाही हो।

मगर कांग्रेस पर नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसे तूफान आने से पहले की शान्ति भी समझा जा सकता है। राजस्थान के घटनाक्रम से कांग्रेस पार्टी का अनुशासन तार-तार हो गया था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इस बात से पूरी तरह वाकिफ है कि यदि पार्टी में एक बार अनुशासन भंग हो गया तो वैसी घटनाएं दूसरी जगह भी होने लगेगी। उनको रोकने के लिए कड़े अनुशासनात्मक कदम उठाए जाने जरूरी है। ताकि अन्य कहीं ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो पाए। इसी बात को लेकर सोनिया गांधी अपने निकट सहयोगियों से भी परामर्श कर चुकी है।

राहुल गांधी द्वारा की जा रही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए कर्नाटक पहुंची सोनिया गांधी राजस्थान के घटनाक्रम पर राहुल गांधी से भी विस्तार से चर्चा की है। बताया जाता है कि उस दौरान उनके साथ राहुल गांधी के विश्वस्त पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। इस प्रकरण में वेणुगोपाल की राय भी काफी महत्वपूर्ण होगी।

कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के दौरान सोनिया गांधी किसी भी तरह का महत्वपूर्ण फैसला करने से बच रही है। हाल ही में सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष व क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्तियां की थी। जिस पर अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे शशि थरूर ने आपत्ति जताकर कांग्रेस के चुनाव अधिकारी मधुसूदन मिस्त्री को चुनावी प्रक्रिया संपन्न होने तक किसी भी प्रकार के नीतिगत फैसले लेने से रोकने की मांग की थी। उस कारण से सोनिया गांधी राजस्थान को लेकर आगे नहीं बढ़ रही है।

सोनिया गांधी का मानना है कि कांग्रेस के अगले अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे का बनना तय है। मलिकार्जुन खड़गे स्वयं राजस्थान में कांग्रेस के पर्यवेक्षक बन कर गए थे। इस कारण वह व्यक्तिगत रूप से पूरे घटनाक्रम से वाफिक है। ऐसे में राजस्थान पर जो भी फैसला हो वह मल्लिकार्जुन खड़गे के माध्यम से ही करवाया जाए। ताकि उनके ऊपर समानांतर रूप से काम करने का आरोप नहीं लग सके।

राजस्थान में गहलोत समर्थक कई मंत्रियों ने राजस्थान के प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन पर भी सचिन पायलट का पक्ष लेने का आरोप लगाया था। गहलोत समर्थक मंत्री चाहते हैं कि राजस्थान से अजय माकन को हटाकर उनके स्थान पर किसी अन्य वरिष्ठ नेता को राजस्थान का प्रभारी बनाया जाए जो निष्पक्षता से काम करें। लेकिन गहलोत समर्थकों को इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि 25 सितंबर के घटनाक्रम के दौरान माकन के साथ मलिकार्जुन खड़गे भी दो दिन तक जयपुर में विधायकों से मिलने का इंतजार करते रह थे। मगर एक भी गहलोत समर्थक विधायक ने पर्यवेक्षकों से मिलकर अपनी राय व्यक्त नहीं की थी।

इस घटना से मलिकार्जुन खड़गे भी काफी क्षुब्ध नजर आए थे। दिल्ली आकर उन्होंने भी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखित में इस घटना की विस्तृत जानकारी दी थी। मलिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेता है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाएगी। उनके नेतृत्व में यदि कोई पार्टी का नेता अनुशासनहीनता करता है तो अनुशासन बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। राजस्थान में जिस तरह से उनके सामने पार्टी का अनुशासन भंग किया गया वैसी स्थिति फिर कभी ना हो। इसकी व्यवस्था भी उनको ही करनी होगी। यदि अनुशासनहीनता करने वाले किसी भी नेता या पार्टी कार्यकर्ता को दंडित नहीं किया जाता है तो भविष्य में अनुशासन बनाए रखना मुश्किल हो सकता है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जिस तरह योजनाबद्ध तरीके से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से दूर हो गए थे। वैसे ही वह अपने समर्थक विधायकों को गोलबंद कर आलाकमान से सशर्त मुख्यमंत्री पद छोड़ने की बात कह रहे हैं। गहलोत किसी भी सूरत में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देना चाहते हैं। पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए गहलोत किसी भी स्तर तक जाकर जोखिम उठाने को तैयार हैं। गहलोत को पता है कि उनके पास 80 से अधिक विधायकों का समर्थन है। ऐसे में आलाकमान उनकी मर्जी के खिलाफ किसी दूसरे को मुख्यमंत्री बनाता है तो पार्टी में विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

कांग्रेस आलाकमान को भी पता है कि यदि गहलोत को मुख्यमंत्री पद से हटाने में जबरदस्ती या किसी तरह की जल्दबाजी की गई तो उसका खामियाजा पार्टी को उठाना पड़ सकता है। आज राजस्थान में 13 निर्दलीय व पांच अन्य दलों के विधायकों का भी समर्थन गहलोत को मिला हुआ है। इस बार मुख्यमंत्री रहते गहलोत ने अपनी स्थिति इतनी मजबूत कर ली कि उनके समक्ष कांग्रेस में कोई दूसरा नेता खड़ा नहीं हो सकता है। यदि कोई खड़ा होता भी है तो उसकी स्थिति पायलट जैसी बना दी जाती है। गहलोत ने बड़ी ही चतुराई से पायलट को बागी बनाकर पार्टी से बर्खास्त करवा दिया था। अब उस पर गद्दार का ठप्पा लगा दिया है। जबकि गहलोत के इशारे पर उनके समर्थकों द्वारा पार्टी पर्यवेक्षकों से की गई उपेक्षा के प्रकरण को ठंडा करने के लिए गहलोत ने दिल्ली जाकर सोनिया गांधी से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांग कर प्रकरण को ठंडे बस्ते में डलवा दिया।

कांग्रेस आलाकमान को राजस्थान में कोई भी कदम उठाने से पहले पूरी तैयारी करनी होगी तथा अपने स्टैंड पर मजबूती से डटे रहना होगा। तभी पार्टी आलाकमान का झंडा बुलंद हो पाएगा। वरना तो इस कार्यकाल में अशोक गहलोत अपने किसी विरोधी नेता को शायद ही सत्ता के नजदीक लगने दे।

जयपुर में आयोजित इन्वेस्टर मीट में उद्योगपति गौतम अडानी को बुलाकर गहलोत ने आलाकमान को दिखा दिया है कि राहुल गांधी चाहे अंबानी, अडानी को कितना भी कोसे। उनको उनसे भी कोई परहेज नहीं है। समय आने पर गहलोत किसी की भी मदद लेने से नहीं चूकेंगे। इस समय सचिन पायलट जहां पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। वही मुख्यमंत्री गहलोत लगातार राजस्थान के विभिन्न स्थानों का दौरा कर लोगों से अगले बजट के लिए प्रस्ताव मांग रहे हैं। गहलोत का कहना है कि प्रदेश का अगला बजट भी मैं ही पेश करूंगा। मुख्यमंत्री पद को लेकर इसे अशोक गहलोत का अति आत्मविश्वास ही कहा जा सकता है। (लेखक-- रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

आज का इतिहास 16 अक्टूबर

1793 फ्रांसीसी क्रांति के दौरान रानी मेरी एंटोनेशे को मौत के घाट उतार दिया गया।

1943 शिकागो के मेयर एडवर्ड केली ने भूमिगत रेल प्रणाली का उद्घाटन किया।

1946 दस नाजी युद्ध अपराधियों को फांसी दी गयी।

1951 बंगाल का प्रथम विभाजन हुआ।

1964 चीन ने प्रथम परमाणु परीक्षण किया।

1971 अनवर सादात विधिवता मिस्त्र के राष्ट्रपति चुने गए।

1973 अमरीका के हेनरी किसिंजर और वियतनाम के ली डक को नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की गई लेकिन ली डक ने उसे ठुकरा दिया।

1978 रोमन कैथोलिक पादरियों ने केरोल वोजतिलका को पोप चुना।

1983 बेरूत हवाई अड्डे पर हमले में अमरीकी कैप्टन माइकल ओलर मारे गए और कई अन्य सैनिक घायल हो गए।

1986 हरगोविंद खुराना को चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

1988 अलास्का में आर्कटिक महासागर में फंसी तीन व्हेलों को बचाने के लिए बचाव कर्मियों ने प्रयास शुरू किए।

1993 दक्षिण पूर्व लंदन में रंगभेद विरोधी प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़की।

1994 जर्मनी के चुनावों में चांसलर हेल्मुट कोल की सरकार को सफलता मिली।

2000 वीरप्पन ने अभिनेता राजकुमार के दामाद को मुक्त किया।

2002 भारतीय एथलीट सुनीता रानी से 14 वें एशियाई खेल में दोनों पदक वापस ले लिए गए।

शब्द पहेली - 7438

बाएँ से दाएँ

1.प्रार्थना,खुशामद-4
4.श्मशान,शवदाहगृह-4
6.भ्रमर,चक्र-3
8.कामदेव,सुंदर-3
9.चांदी-3
11.सितारा-2
13.राजकुमार,मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15.हालात,तबियत-2
16.फिजूल,व्यर्थ-3
18.डिपो-3
19.गमन,विदा-3
20.झगड़ा,अनबन-4
22.लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1.आलता,माहुर-4
2.घाटा,नुकसान-2
3.कमल,जलज-3
4.अभिष्ट इच्छा,चाह-5
5.टक्कर,मुठभेड़-4
7.रात्रि,निशा-3
10.जरुरतमंद-5
12.हाथी साधने वाला-4
14.तरंग,हिलोर-3
17.कसरत,परेड-4
18.विश्राम,राहत-3
21.मार्ग,पथ-2

शब्द पहेली -7437 का हल

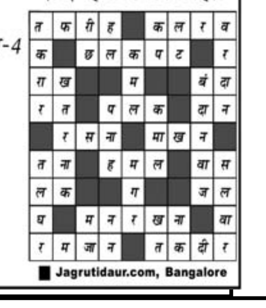

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

हरमनप्रीत ने जीत पर खुशी जतायी कहा टीम पर है गर्व

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एशिया कप फाइनल में मिली जीत पर खुशी जतायी है। जीत के बाद हरमनप्रीत ने गेंदबाज रेणुका सिंह और दिप्ति शर्मा की जमकर प्रशंसा की। रेणुका प्लेयर ऑफ द मैच वह दिप्ति सीरीज रहीं।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हमें इस जीत का श्रेय गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों को देना चाहिए। हर गेंद हमारे लिए अहम थी। इसलिए हम उन्हें आसानी से रन नहीं देना चाहते थे। जिस तरह से हमने आज प्रदर्शन किया हमें उसपर गर्व है। आपको पहले विकेट को समझना होगा और उसी के अनुसार क्षेत्ररक्षण लगाना होगा। हमने आज वही किया और इससे हमें बहुत सहायता मिली। ' इस मैच में हरमनप्रीत चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आई और 11 रन बनाकर नाबाद रही। वहीं 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' रही दीप्ति शर्मा ने कहा, 'यहां के विकेट धीमे थे और इस टूर्नामेंट से पहले, मैंने अपनी बल्लेबाजी पर बहुत काम किया।' वहीं जीत के बाद रेणुका ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं क्योंकि पिछले कुछ मैचों में मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी थी मैंने अपने कोच और स्टाफ के साथ अभ्यास किया और उन्होंने मुझे वापस लय में आने में मदद की। मैंने बस खेल की मूल बातों पर ध्यान देकर सफलता हासिल की है। साथ ही कहा कि टीम की जीत का श्रेय कप्तान, कोच और स्टाफ को मिलना चाहिए। '

रुद्राक्ष पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाले दूसरे भारतीय निशानेबाज बने

काहिरा (ईएमएस)। भारतीय निशानेबाज रुद्राक्ष पाटिल ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व चैम्पियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। रुद्राक्ष ने स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए इटली के दानिलो डेनिस सोल्लाजो को 17-13 से हराया। इसी के साथ ही रुद्राक्ष को पेरिस ओलंपिक के लिए भी कोटा मिला गया है। रुद्राक्ष विश्व चैम्पियनशिप की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कोटा हासिल करने वाले दूसरे भारतीय निशाने बाज हैं। इससे पहले केवल अभिनव बिंद्रा को ही साल 2006 में यह कोटा मिला था।

इस साल विश्व चैंपियनशिप में ओलंपिक के लिए चार कोटा स्थान उपलब्ध हैं। भारत की ओर से भवनीश मेंदीरत्ता ने हाल ही में क्रोएशिया में शॉटगन विश्व चैम्पियनशिप में पुरुष ट्रैप स्पर्धा में एक कोटा हासिल किया था। अर्जित किया था।

रुद्राक्ष नये प्रारूप में खेले गये स्वर्ण पदक मैच में एक समय 4-10 से पीछे चल रहे थे। इटली के निशानेबाज ने मैच के ज्यादातर समय अपनी बढ़त बनाये रखी पर अंत में इस युवा भारतीय निशानेबाज ने शानदार वापसी की।

भारतीय गोल्फर शुभंकर का निराशाजनक प्रदर्शन

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा 2022 एस्ट्रेला डैम एनए एंडालुसिया मास्टर्स में कट हासिल नहीं कर पाये हैं। शुभंकर दूसरे दौर में तीन ओवर 74 का कार्ड खेलने के कारण कट हासिल नहीं कर पाये। वहीं पहले दौर में उनका स्कोर 78 था। इसके बाद दूसरे दौर में उन्होंने तीन बर्डी लगायी पर छह बोगी गिरने के कारण वह 73 का कार्ड खेलकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। वहीं स्थानीय खिलाड़ी एंजेल हिडाल्गो दूसरे दौर में 63 का कार्ड खेलकर इस टूर्नामेंट में संयुक्त रुप से बढ़त बनाये हुए हैं।

भारतीय टीम ने सातवीं बार महिला एशिया कप क्रिकेट खिताब जीता

सिहलट (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर सातवीं बार महिला एशिया कप जीता है। इसी के साथ ही भारतीय महिलाओं ने पुरुष टीम के सात बार एशिया कप खिताब जीतने के रिकार्ड की भी बराबरी की है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंकाई टीम को कोई मौका नहीं दिया और आसानी से मुकाबला जीत लिया। पहले गेंदबाजी के दौरान भारतीय टीम की ओर से रेणुका सिंह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ और स्नेह राणा ने दो-दो विकट लिए। इसके बाद स्मृति मंधाना ने बल्लेबाजी के दौरान शानदार नाबाद अर्धशतक 51 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम विफल रही निर्धारित 20 ओवरों में वह नौ विकेट पर केवल 65 रन ही बना पायी जिसके बाद जीत के लिए मिले 66 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 8.3 ओवर में ही दो विकेट के नुकसान पर 71 रन बनाकर हासिल कर लिया। स्मृति ने नौंवे ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। यह महिला एशिया कप का आठवां सत्र था, जिसमें भारतीय टीम को सातवीं जीत मिली है जबकि पिछले संस्करण में इसे बांग्लादेश ने जीता था।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा केवल पांच रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जेमिमा रॉड्रिगेज़ भी केवल दो रन ही बना पायीं। तब उपकप्तान मंधाना ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिये 36 रन जोड़कर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मंधाना ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 25 गेंदों पर ही छह चौकों और तीन छक्कों लगाकर 51 रन बना दिये जबकि हरमनप्रीत ने 14 गेंदों पर एक चौके के साथ नाबाद 11 रन बनाये। मंधाना ने शुरुआत से ही बड़े शॉट खेले। शेफाली और जेमिमा के विकेट गिरने के बाद भी मंधाना ने रनों की रफ्तार नहीं रुकने दी। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं हरमनप्रीत ने भी दूसरी ही गेंद पर चौका लगाकर उनका अच्छा साथ दिया। वहीं इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का श्रीलंकाई कप्तान का फैसला गलत साबित हुआ।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी लेकिन यह फैसला उनके पक्ष में बिल्कुल भी नहीं गया। तीसरे ही ओवर में कप्तान और सलामी बल्लेबाज चमारी अटापट्टू केवल छह रन बनाकर आउट हो गयीं। इसके एक के बाद एक विकेट गिरने लगे। रेणुका ने अगले ही ओवर में हर्षिता मदावी और हसिनी परेरा को पेवेलियन भेज दिया जबकि अनुष्का संजीवनी रनआउट हुईं। रेणुक ने छठे ओवर में कविशा दिलहारी को आउट कर दिया। इस प्रकार केवल 16 रनों पर ही आधी टीम पेवेलियन लौट गयी। राजेश्वरी ने निलाक्षी डी सिल्वा और ओशदी राणासिंह के विकेट लिए जबकि स्नेह राणा ने मलशा शेहानी और सुगंधा कुमारी को अपना शिकार बनाया। श्रीलंका के नौ विकेट 50 रनों के अंद गिर गये थे। इसके बाद अंतिम दो बल्लेबाजों ने किसी प्रकार स्कोर आगे बढ़ाया। अंतिम बल्लेबाजों ने 27 गेंदों पर 22 रन जोड़कर अपनी टीम को 20 ओवर में 65/9 के स्कोर तक पहुंचाया। इनोका रणवीरा ने नाबाद 18 रन बनाए जबकि अचिनी कुलसुरिया ने छह रन बनाये। इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए भारत की रेणुका सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच जबकि दीप्ती शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज का इनाम मिला।

विश्व क्वालीफायर्स से पेरिस ओलंपिक में प्रवेश का अंतिम अवसर मिलेगा : लालोविच

नई दिल्ली (ईएमएस)। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के सभी 18 भार वर्गों में शीर्ष पर रहने वाले पांच पहलवानों को ही 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश मिलेगा। वहीं इसी प्रकार 2023 में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से 18 कोटा स्थान हटा दिए गए हैं और इन्हें विश्व क्वालीफायर्स में शामिल किया गया है। विश्व क्वालीफायर्स पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अंतिम अवसर है।

वहीं यूनाईटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के अध्यक्ष नेनाद लालोविच ने कहा कि यह बदलाव विश्व चैंपियनशिप और विश्व क्वालीफायर्स के बीच कोटा स्थानों को और पारदर्शी बनाने के लिए लाया गया है। विश्व चैंपियनशिप अगले साल 16 से 24 सितंबर के बीच रूस में होगी। विश्व चैंपियनशिप 2023 के अलावा 2024 में होने वाले महाद्वीपीय क्वालीफायर्स (एशिया, अफ्रीका, पैन-अमेरिका, यूरोपीय) और 2024 के विश्व ओलंपिक क्वालीफायर्स से भी पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल किया जा सकेगा।

दिल्ली को 8 विकेट से हराकर मध्य प्रदेश फायनल में -

इन्दौर (ईएमएस)। मोटेरा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड "' में आज विमेंस अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले में मध्य प्रदेश ने दिल्ली को 8 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। फाइनल मुकाबला 17 तारीख को कर्नाटक के साथ खेला जाएगा, कर्नाटक ने आंध्र प्रदेश को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है।

दिल्ली ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए रिया कोंडल के 17 रनों की बदौलत 17.1 ओवर में 42 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। दिल्ली के 4 बल्लेबाज बगैर खाता खोले ही पवेलियन लौट गए। मध्य प्रदेश की ओर से वैष्णवी और ख़ुशी ने 3-3 विकेट लिए, जबकि संस्कृति ने 2 और सौम्य व धानी ने 1-1 विकेट हांसिल किये। जवाब में मध्यप्रदेश ने 9.2 ओवर में 2 विकेट खोकर 45 रन बनाकर विजयी लक्ष्य पार कर लिया। मध्य प्रदेश की कप्तान सौम्या तिवारी ने 27 गेंद पर 4 चौके की मदद से नाबाद 25 रनों की पारी खेली। दिल्ली की ओर से पारुणिका व प्रिय ने 1-1 विकेट लिए।

विमान के टिकट पर 25 से 50 प्रतिशत की छूट देने के नाम पर 30 लोगों से ठगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेश जाने के लिए विमान के टिकट पर 25 से 50 प्रतिशत की छूट देने के नाम पर 30 से अधिक लोगों को ठगने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जम्मू निवासी रविंदर कुमार (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सौरभ ग्रोवर नाम के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि उस कुमार का मोबाइल नंबर मिला, जो 25 से 50 प्रतिशत की भारी छूट के साथ अंतरराष्ट्रीय विमानों के टिकट दिलवाता था।

अधिकारी ने बताया कि ग्रोवर ने कुमार से संपर्क किया, जिसमें उन्हें रियायती कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय हवाई टिकट उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया था। उन्होंने बताया कि अपनी बात का भरोसा दिलाने के लिए, कुमार ने सौरभ को 95,000 रुपये का एक टिकट दिया, जिसकी वेबसाइट पर कीमत 1,25,000 रुपये थी। अधिकारी ने कहा, शिकायतकर्ता ने आरोपी से पोर्ट ऑफ स्पेन के सात टिकट के लिए संपर्क किया, जिनकी असल कीमत 12,25,000 रुपये थी। कुमार ने उन्हें इतनी रकम के बजाय टिकट के लिए अलग-अलग खातों में 9,75,000 रुपये जमा करवाने के लिए कहा था।''

पुलिस ने बताया कि पैसे मिलने पर कुमार ने दो डमी/होल्ड टिकट भेजकर आश्वासन दिया कि वह पांच मार्च को यात्रा की तारीख से दो दिन पहले सभी पुष्ट (कन्फर्म) टिकट उपलब्ध करा देगा। इसके बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता का फोन उठाना बंद कर दिया था। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि आरोपी जनकपुरी इलाके में आने वाला है, जिसके बाद जाल बिछा कर कुमार को पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि कुमार ने 30 से अधिक लोगों से करीब तीन करोड़ रुपये की ठगी की है। उन्होंने बताया कि जम्मू से इंजीनियरिंग और पुणे से एमबीए करने के बाद कुमार ने टिकट बुक करने का धंधा शुरू किया, लेकिन लगातार घाटे के बाद उसने लोगों से बड़ी रकम लेकर उन्हें डमी या होल्ड टिकट देकर ठगना शुरू कर दिया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20.4 करोड़ डॉलर बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी देखी गई है। 7 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में यह 20.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 532.868 अरब डॉलर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक गोल्ड रिजर्व का मूल्य बढ़ने से विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। इससे पिछले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 4.854 अरब डॉलर घटकर 532.664 अरब डॉलर पर आ गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले कई हफ्तों से लगातार गिर रहा था। तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में डॉलर के मुकाबले तेजी से गिरते रुपए को संभालने के लिए आरबीआई ने इस विदेशी मुद्रा भंडार के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल किया है। एक साल पहले अक्टूबर, 2021 में देश का विदेश मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के मुताबिक, 7 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) 1.311 अरब डॉलर घटकर 471.496 अरब डॉलर रह गईं। एफसीए असल में समग्र भंडार का एक प्रमुख हिस्सा होता है। डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है।

वित्तमंत्री निर्मला का विश्व बैंक से अनुरोध, सब्सिडी को एकआयामी नजरिए से देखना बंद करे

वाशिंगटन (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत सरकार की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी को एकआयामी' दृष्टिकोण से नहीं देखने का विश्व बैंक से अनुरोध कर कहा है कि 'नुकसानदायक सब्सिडी और संवेदनशील परिवारों को दिए जाने वाले 'लक्षित समर्थन' में अंतर करना जरूरी है। सीतारमण ने कहा कि सतत विकास लक्ष्य के कई अहम मानकों पर भारत के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सब्सिडी का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा, ''हमारा विश्व बैंक से अनुरोध है कि सब्सिडी को एकआयामी नजरिए से देखना बंद करे, नुकसानदायक सब्सिडी और संवेदनशील परिवारों को लक्षित करके दिए जाने वाले समर्थन के बीच अंतर करना जरूरी है।

वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत बीते छह वर्षों में दिए गए निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन का उदाहरण देकर कहा कि इस तरह सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि भारत में भोजन पकाने की स्वच्छ प्रक्रिया तक सभी महिलाओं की पहुंच हो सके।

सीतारमण ने कहा कि विश्व बैंक समूह को कई सुझाव भी दिए। इसमें व्यवहार संबंधी बदलाव लाने का सुझाव भी शामिल है। जिससे ऊर्जा प्रभावशीलता बढ़े और भोजन का नुकसान कम हो सके। इसके अलावा उन्होंने सभी ग्राहक देशों के लिए किफायती वित्त की व्यवस्था करना और नवीकरणीय एवं हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में तकनीकी हस्तांतरण करने का सुझाव भी दिया।

बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की सालाना बैठकों में भाग लेने के लिए पहुंची हैं। इसके अलावा वे वहां कई द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें कर रही हैं। केंद्रीय वित्त ने कहा कि 'तनावपूर्ण' और 'अनिश्चित' भू-राजनीतिक संकट सर्दियों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस जैसे महत्वपूर्ण जिंसों की आपूर्ति में नई चिंताओं को पैदा कर सकता है।

ज्ञानवापी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा मुस्लिम पक्ष, जिला अदालत के फैसले को दी चुनौती

वाराणसी (ईएमएस)। वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा अर्चना की अनुमति दिए जाने की मांग वाली याचिका पर वाराणसी के जिला जज की कोर्ट से आए फैसले को मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। जिला जज की अदालत से आए फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति की अर्जी खारिज किए जाने के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। ज्ञानवापी मस्जिद की अंजुमन ए इंतजामिया कमेटी की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दाखिल कर हाईकोर्ट का फैसला आने तक वाराणसी की जिला अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगाए जाने की मांग की गई है। ऑर्डर 7 रूल 11 के मामले में 12 सितंबर को आए फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। ज्ञानवापी मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में 18 अक्टूबर इस मामले में सुनवाई हो सकती है।

गौरतलब है कि दिल्ली की राखी सिंह समेत 5 महिलाओं ने वाराणसी की जिला अदालत में पिछले साल याचिका दाखिल की थी। याचियों ने याचिका दाखिल कर ज्ञानवापी परिसर में स्थित श्रृंगार गौरी की पूजा अर्चना नियमित तौर पर किए जाने की इजाजत दिए जाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस मामले की सुनवाई वाराणसी के जिला जज की कोर्ट में चल रही है। मुस्लिम पक्ष ने अदालत में आपत्ति दाखिल कर राखी सिंह समेत महिलाओं की याचिका को खारिज किए जाने की अपील की थी।

मुस्लिम पक्ष की तरफ से कहा गया था कि ऑर्डर 7 रूल 11 के तहत यह अर्जी सुनवाई के लायक नहीं है। महीनों चली सुनवाई के बाद जिला जज वाराणसी की कोर्ट ने अगस्त महीने में अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया था। जिला जज ए के विश्वेश की कोर्ट ने 12 सितंबर को अपना फैसला सुनाया था। जिला जज ने मुस्लिम पक्ष की आपत्ति को खारिज करते हुए राखी सिंह केस को चलते रहने की इजाजत दी थी। इस फैसले के आने के बाद ही मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट जाने की बात कही थी। मुस्लिम पक्ष की ओर से दाखिल की गई याचिका में जिला जज के इसी फैसले को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में मुस्लिम पक्ष की याचिका में एक बार फिर दोहराया गया है कि 1991 के प्लेसिस ऑफ वर्शिप एक्ट के तहत इस मामले की सुनवाई नहीं की जा सकती है। याचिका मेंइस मामले में हाईकोर्ट का फैसला आने तक वाराणसी की जिला अदालत में चल रही सुनवाई पर रोक लगाए जाने की भी मांग की गई है।

ज्ञात हो कि ज्ञानवापी विवाद से जुड़े पांच मामले पहले से ही इलाहाबाद हाईकोर्ट में पेंडिंग है, जिसमें तीन मामलों में बहस पूरी होने के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जजमेंट रिजर्व कर लिया है। जबकि विवादित परिसर के सर्वे से जुड़े दो मामलों में इलाहाबाद हाईकोर्ट में 18 अक्टूबर को सुनवाई होनी है। हालांकि राखी सिंह का केस पहली बार हाईकोर्ट की दहलीज पर आया है।

नीतिश ने फिर ली 2013 वाली भीष्म प्रतिज्ञा मैं कभी भाजपा के साथ नहीं जाऊंगा

समस्तीपुर (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर से भाजपा को लेकर भीष्म प्रतिज्ञा ले ली है। उन्होंने कहा है कि अब जीवन में कभी भी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करूंगा। दरअसल, नीतीश समस्तीपुर दौरे पर थे, जहां उन्होंने इंजीनियरिंग कॉलेज का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं बिहार की प्रगति के लिए काम करूंगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने पूरे जीवन भर में भाजपा के साथ नहीं जाऊंगा। उन्होंने कहा कि बिहार देश की प्रगति के लिए समाजवादियों के साथ काम करेगा। हालांकि इससे पहले भी नीतीश 2013 में भाजपा से अलग हुए थे, तभी उन्होंने ठीक इसी तरह की प्रतिज्ञा ली थी।

अपने पुराने सहयोगी भाजपा पर हमला करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि पहले भाजपा के पास लोगों के विकास को लेकर विजन था। लेकिन अब वे सिर्फ बात करते हैं। बीजेपी के लोग अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं महागठबंधन को छोड़कर भाजपा के साथ चला गया था। लेकिन अब हम महागठबंधन में लौट आए हैं। बीजेपी पर नीतीश कुमार ने झगड़ा लगाने का भी आरोप लगा दिया। नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा समाज में झगड़ा लगाने का काम करती है। देश के विकास से उसका कोई लेना-देना नहीं है। इससे पहले 2013 में भी भाजपा से अलग होने के बाद नीतीश ने कहा था, कि अब वह मिट्टी में मिल जाएंगे लेकिन भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। लेकिन 2017 में दुबारा भाजपा के साथ गठबंधन में गए।

हमारे न्यूक्लियर हथियारों को लेकर खुफिया जानकारी अमेरिका तक कहां से पहुंची : इमरान खान

कराची (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान को दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक बताकर कहा है कि उसके पास बिना किसी सुरक्षा के परमाणु हथियार हैं। बाइडेन के आइना दिखाने वाले बयान से पाकिस्तान को मिर्ची लग गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी के जवाब में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का बयान सामने आया है। इमरान ने कहा कि दुनिया भर में युद्धों में शामिल रहने वाले अमेरिका के विपरीत पाकिस्तान ने कब आक्रामकता दिखाई है, खासकर परमाणुकरण के बाद? इसके साथ ही इमरान ने सवाल उठाकर कहा कि हमारी परमाणु क्षमता पर इस अनुचित निष्कर्ष पर किस सूचना पर पहुंचे हैं, जबकि पीएम रहने के कारण मुझे पता है कि हमारे पास सबसे सुरक्षित परमाणु कमान और नियंत्रण प्रणाली है?

अमेरिकी राष्ट्रपति के पास पाकिस्तान के न्यूक्लियर हथियारों को लेकर जानकारी कहां से पहुंची है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति हमारे परमाणु हथियार पर किसी निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। दरअसल पाकिस्तान की वर्तमान सरकार पर सवाल उठाकर उन्होंने कहा, बाइडेन का ये बयान आयातित सरकार की विदेश नीति की कुल विफलता है।

दिवाली के दिन शेयर बाजार में मुहूर्त ट्रेडिंग में इन शेयरों में दावा लगाकर हो सकते हैं मालामाल

मुंबई (ईएमएस) दिवाली के दिन शेयर बाजार के लिए बेहद खास होता है। इस दिन वैसे मार्केट बंद रहता है, लेकिन एक घंटे के लिए मुहूर्त ट्रेडिंग का आयोजन होता है। इस दौरान केवल 1 घंटे के लिए बाजार में ट्रेडिंग होती है। इस एक घंटे में निवेशक अपना छोटा निवेश करके बाजार की परंपरा को निभाते हैं।

बता दें कि इस बार 24 अक्टूबर 2022 को दीपावली के दिन एनएसई और बीएसई पर शाम 6:15 से 7:15 मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। ब्लॉक डील शाम 5.45 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगी। दोनों एक्सचेंज के मुताबिक, दिवाली के दिन प्री-ओपन ट्रेडिंग शाम 6:00 से 6:08 बजे प्री ओपन ट्रेडिंग सेशन होगा। इसके बाद शाम 6:15 से 7:15 बजे मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। इस साल के दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में दिवाली से शुरू होने वाले हिंदू कैलेंडर वर्ष के अनुसार संवत 2079 की शुरुआत होगी। ऐसा माना जाता है कि मुहूर्त व्यापार साल भर समृद्धि और धन लाता है। इस शुभ मुहूर्त पर शेयर बाजार के कारोबारी स्पेशल शेयर ट्रेडिंग करते हैं। इसकारण इस मुहूर्त ट्रेडिंग भी कहा जाता है।

मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान शेयर बाजार में निवेश को शुभ माना जाता है। इस एक घंटे के मुहूर्त ट्रेडिंग के दौरान ज्यादातर निवेशक शेयर खरीदते हैं। मुहूर्त ट्रेडिंग की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। हर साल मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए एक खास समय तय होता है। निवेशक इस शुभ मौके पर वैल्यू बेस्ड स्टॉक खरीदते हैं।

मौजूदा बाजार परिदृश्य को ध्यान में रखकर जानकारों ने 12 शेयर बताएं है, जो अगली दिवाली तक निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज कैप स्पेस से, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज (टारगेट प्राइजः 4,600 रुपये), सिप्ला (1,268 रुपये), हीरो मोटोकॉर्प (3,161 रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (1,079 रुपये) और अल्ट्राटेक सीमेंट (8,581 रुपये) जैसे खिलाड़ियों की सिफारिश की. व्यापक स्तर पर, अजंता फार्मा (टारगेट प्राइजः 1,491 रुपये), बाटा इंडिया (2,240 रुपये), सीसीएल प्रोडक्ट्स (700 रुपये), फेडरल बैंक (149 रुपये), जेके लक्ष्मी सीमेंट्स (786 रुपये), आईनॉक्स लीजर (720 रुपये) और ला ओपाला आरजी (500 रुपये) पर पॉजिटिव राय दी है।

सितंबर में देश का निर्यात 4.82 प्रतिशत बढ़कर 35.45 अरब डॉलर, व्यापार घाटा भी बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)।सितंबर में देश का ?निर्यात में बढ़ोतरी देखी जा रही है। वहीं आयात में भी सालाना आधार पर बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। देश का निर्यात सितंबर में 4.82 प्रतिशत बढ़कर 35.45 अरब डॉलर हो गया है। इस दौरान व्यापार घाटा भी बढ़कर 25.71 अरब डॉलर पर आ गया है। केन्द्रीय वाणिज्य मंत्रालय के हाल ही में जारी आकड़ों से यह जानकारी ?मिली है। इस महीने के पहले सप्ताह में जारी अपने शुरुआती आंकड़ों में मंत्रालय ने कहा था कि सितंबर में देश का वस्तुओं का निर्यात 3.52 प्रतिशत घटकर 32.62 अरब डॉलर रह गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सितंबर माह 2022 में देश का आयात सालाना आधार पर 8.66 प्रतिशत बढ़कर 61.61 अरब डॉलर हो गया है। सितंबर, 2021 में व्यापार घाटा 22.47 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर, 2022 में निर्यात 16.96 प्रतिशत बढ़कर 231.88 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 38.55 प्रतिशत बढ़कर 380.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं इस दौरान व्यापार घाटा 76.25 अरब डॉलर के मुकाबले बढ़कर 148.46 अरब डॉलर हो गया है। इंजीनियरिंग, रेडीमेड कपड़े, प्लास्टिक, काजू और कालीन जैसे प्रमुख क्षेत्रों का निर्यात इस साल सितंबर में घट गया है। इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात सितंबर माह में 10.85 प्रतिशत घटकर 8.4 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह रेडीमेड परिधानों का निर्यात 18 प्रतिशत घटकर एक अरब डॉलर रह गया। प्लास्टिक का निर्यात भी 12.2 प्रतिशत घटकर 66.66 करोड़ डॉलर पर आ गया।

लखनऊ में भाजपा और पसमांदा मुसलमानों के प्रमुख सदस्यों की बैठक होगी

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में भाजपा और पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों के प्रमुख सदस्यों की रविवार को बैठक होगी, जो संभवतः राज्य में इस तरह की पहली औपचारिक मुलाकात होगी। यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाजपा से उत्तर प्रदेश में पसमांदा मुसलमानों के उत्थान के लिए काम करने के आवाहन के लगभग चार महीने बाद हो रही है। पीएम मोदी ने जुलाई में हैदराबाद में बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कथित तौर पर यह सलाह दी थी।

भाजपा की पसमांदा मुस्लिम पहुंच भी एक महीने से भी कम समय में आई है, जब इसके वैचारिक संरक्षक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने वाराणसी के ज्ञानवापी जैसे संवेदनशील मुद्दों, कर्नाटक में विवाद, अभद्र भाषा, जनसंख्या नियंत्रण और कैंपस हिजाब विवाद पर चर्चा करने के लिए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी और दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग सहित मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात की थी।

जुलाई में भाजपा के हैदराबाद कार्यक्रम में, केंद्रीय मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भाजपा के लिए मुस्लिम समर्थन साबित करने के लिए यूपी के आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा उपचुनावों में पार्टी की जीत का उल्लेख किया था। ये ऐसे निर्वाचन क्षेत्र हैं जिन्हें समाजवादी पार्टी के मुस्लिम-यादव गठबंधन का गढ़ माना जाता था।

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा की लगातार दूसरी जीत के बारे में पार्टी नेताओं को याद दिलाया था और कहा था कि पिछले आठ वर्षों में भाजपा सरकार ने जो काम किया है, उससे समाज के सभी वर्गों को फायदा हुआ है।

उत्तरप्रदेश में एक युवा मुस्लिम नेता दानिश आजाद अंसारी को योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव जीतने के बाद अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ और हज राज्य मंत्री नियुक्त किया गया था। वह पसमांदा मुस्लिम समुदाय से हैं, जो भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में मुसलमानों के बीच एक बड़ा वोट बैंक है, जहां भाजपा ने पिछले दो लोकसभा चुनावों में बड़ी जीत हासिल की है, लेकिन नए वोट बैंक की खेती करके बीजेपी 2024 में बेहतर करना चाहती है।

राजा, रानी, महाराजयों का समय समाप्त, लोकतंत्र के कोई राजा नहीं होता : शाह

कांग्रेस पार्टी का काम केवल आग लगाना।

सतौन (पावंटा साहिब) (ईएमएस)। भाजपा ने एक विशाल हट्टी अभिनंदन रैली का आयोजन किया जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने भाग लिया। उनके मंच पर पहुंचते ही लोगों में जबरदस्त जोश देखा गया और सिरमौर जय हाटी जय माटी के नारे से गूंज उठा। अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश में चुनाव का शंखनाद किया।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा की हिमाचल की जनता का जोश मैंने टीवी पर नरेंद्र मोदी रैली के दौरान देखा था पर आज मैने यह जोश साक्षात देख लिया है। यहां के लोगो को क्या पीड़ा थी उसका असली एहसास मुझे यहां आकर पता चला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक झटके में साफ 55 साल पुरानी परेशानी को साफ कर दिया और हाटी को जनजाति का दर्जा दे दिया। यह केवल सुदृण इच्छा शक्ति के कारण संभव होता है। इस निर्णय से सिरमौर के 359 गांव लाभान्वित हुए है और आपकी 25 पीढ़ियां इस निर्णय का लाभ उठाएगी। हाटी को तीन प्रकार का आरक्षण मिला है शिक्षा, राजनीतिक और सरकारी नौकरियों सभी क्षेत्रों में में हाटी को आरक्षण मिलेगा।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की एक बात है को वो जिस काम के पीछे लगते है उसके पूरा ही करते है, इस काम के लिए वह मुझसे 25 बार मिले। हाटी आरक्षण ना मिलने से एक बड़ी समस्या सामने आई थी पहाड़ के एक तरफ वाला भाई सामान्य माना जाता था और दूसरी तरफ का एक भाई जनजातीय माना जाता था। मामा सामान्य होता था और भांजा जनजातीय, कितनी बड़ी विडंबना थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक दृष्टि इस मुद्दे पर पड़ी और जनता को झटके से जनजातीय का दर्जा मिल गया। अमित शाह ने कांग्रेस को आग लगाये बिना चेन नहीं आता और उनका काम तो आग लगाना का ही है। दलितो को कहने लगे की आपका आरक्षण चला जाएगा पर मैं अपने पेन से लिख कर देता हूं की दलित का दर्जा सौ प्रतिशत सुरक्षित है। कांग्रेस का काम केवल मात्र आग लगाने का है। यह आरक्षण केवल लाभ है इसके कोई नुकसान नहीं है अनुसूचित जाति का कुछ जाएगा नहीं और जनजातियों को ज्यादा मिलेगा। मोदी सरकार और जयराम सरकार तारीफ के काबिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल विकास में विश्वास रखते है और कांग्रेस आग लगने में विश्वास रखती है।

शाह ने कहा की 50 के बाद इस बार हिमाचल में रिवाज बदलेगा और ये निश्चित है। आज से हमरा नारा एक बार भाजपा, बार बार भाजपा। भाजपा ने पहाड़ी के हम उस पार भी बदला है रिवाज जहां उत्तराखंड में हम 2/3 से अधिक बहुमत से जीते हासिल की है और हम हिमाचल में भी रिवाज बदलेंगे। शाह ने कहा की हरि टोपी और लाल टोपी दोनो भाजपा की है, हमने रिवाज बदला है। मेरी गारंटी है को परिणाम के दिन कांग्रेस के नेताओं को दूरबीन लगाकर ढूंढना पड़ेगा। आओ हम संकल्प ले को परिवारवाद की राजनीति को समाप्त करेंगे का, मोदी ने तो इसको समाप्त किया है। शाह ने कहा की 75 साल में कोई धार्मिक स्थान विकसित नहीं हुआ, मोदी सरकार ने 500 साल बाद राम मंदिर का निर्माण किया। काशी विश्वनाथ का मंदिर औरंगजेब ने तुड़ा और मोदी जी ने भव्य रूप से फिर बनाया। कांग्रेस वाले 370 धारा पर चुप क्यूं रहते है क्योंकि यह जवाहरलाल नेहरू की देन है जिसको मोदी ने उखड़ फेनका। मोदी ने राज पथ का नाम बदला कर कर्तव्य पथ रखा। राजा, राजे, रानी, महाराजो का समय चला गया है और लोक तंत्र में कोई राजा नहीं होता।

राजीव बिंदल के साथ एक बटन दबाते हुए अमित शाह और भाजपा प्रतिनिधियों ने कई नारों के साथ भाजपा चुनाव अभियान का थीम गीत लॉन्च किया। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, प्रभारी अविनाश राय खन्ना, सह प्रभारी संजय टंडन, सह चुनाव प्रभारी देविंदर सिंह राणा, अध्यक्ष बलदेव तोमर, महासचिव त्रिलोक जामवाल, विधायक रीना कश्यप, मंत्री इस मौके पर राजीव सहजल और सुखराम चौधरी भी मौजूद थे।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा भारत : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि दुनिया में छाए अनिश्चितता के माहौल में भारत उन देशों में शामिल है, जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की जारी सालाना बैठक के तहत अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक वित्तीय समिति की बैठक को संबोधित करते हुए सीतारमण ने शुक्रवार को यह बात कही।

उन्होंने कहा दुनिया में अनिश्चितता के माहौल में, भारत उन चंद देशों में शामिल है जो शानदार प्रदर्शन कर रहा है। वकील वित्त मंत्री, भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 13.5 फीसदी की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर रही है, जो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा है। केंद्रीय वित्तमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि तनावपूर्ण और अनिश्चित भू-राजनीतिक संकट सर्दियों में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस जैसे महत्वपूर्ण जिंसों की आपूर्ति में नई चिंताओं को पैदा कर सकता है।

उन्होंने साथ ही मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियादी पहलुओं और सरकार के संरचनात्मक सुधारों के आधार पर भारत के आर्थिक दृष्टिकोण को सकारात्मक बताया। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति नियंत्रण एक प्रमुख चिंता का विषय होगा।

सीतारमण ने कहा कि वैश्विक बाधाओं के बावजूद आईएमएफ का अनुमान है कि भारत 2022 और 2023 दोनों में छह प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध का वैश्विक ऊर्जा प्रणाली पर बुरा प्रभाव पड़ा है। इसके कारण आपूर्ति और मांग बाधित हुई है और विभिन्न देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे व्यापारिक संबंधों में खटास आई है।

सीतारमण ने कहा कि खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा के खतरे के बीच कठोर वित्तीय स्थिति और ऊंची ब्याज दरों ने लंबी अवधि के लिए आर्थिक वृद्धि बनाए रखने की राह में बाधाएं उत्पन्न की हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की सालाना बैठकों में भाग लेने के लिए वाशिंगटन पहुंची हैं। इसके अलावा वे वहां कई द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों में भी हिस्सा लिया।

यूक्रेन युद्ध के बीच जी20 के मंच पुतिन और बाइडेन होंगे आमने-सामने, बातचीत को लेकर संशर्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के बीच रूस और अमेरिका के रिश्तों में खटास बढ़ती जा रही है। युद्ध के कारण दोनों देशों के बीच तनाव और गहराता जा रहा है। इस बीच जी-20 के मंच पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन संग संभावित मुलाकात पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी मंशा साफ कर दी है। रूसी राष्ट्रपति से जब पूछा गया कि क्या वह जो बाइडेन से बातचीत करेंगे तो इस पर व्लादिमीर पुतिन ने जवाब दिया कि यह आप उनसे जाकर पूछें।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि अभी जी20 के प्लेटफॉर्म पर क्या फॉर्मेट होगा, यह तय नहीं है। फिलहाल, हम जी20 के किसी भी देश से बातचीत नहीं कर रहे हैं। यूक्रेन से युद्ध के बीच अमेरिका और रूस के बीच जारी तनाव के बीच पुतिन ने कहा कि उन्हें अमेरिकी समकक्ष जो बाइडेन से बातचीत करने की कोई जरूरत नहीं है। बता दें कि इस साल नवंबर में इंडोनेशिया में जी20 सम्मेलन होने वाला है।

खबरों के मुताबिक जब नवंबर में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर बाइडेन के साथ संभावित बैठक के बारे में पूछा गया तो इसके जवाब में पुतिन ने कहा, 'आपको उनसे पूछना चाहिए कि क्या वह मेरे साथ इस तरह की बातचीत करने के लिए तैयार हैं या नहीं। सच कहूं तो मुझे इसकी आवश्यकता नहीं दिखती।' उन्होंने कहा कि मैं इस ट्रिप पर जाऊंगा, यह अभी तय नहीं हुआ है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट कहा कि रूस इस सम्मेलन में भाग जरूर लेगा। बता दें कि इससे पहले बाइडेन ने पुतिन से मुलाकात पर कहा था कि उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है। हालांकि, उन्होंने संभावित बातचीत से इनकार नहीं किया था।

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी20) दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतरराष्ट्रीय मंच है। इसमें 19 देश शामिल हैं, जिनमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके और यूएस और यूरोपीय संघ (ईयू) आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी को अधिवेशन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग को लेकर होगा महत्वपूर्ण फैसला

-रविवार से शुरू हो अधिवेशन

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में कम्युनिस्ट पार्टी का बोलबाला है और यहां 7 दशक से सत्ता पर इसका ही प्रभाव रहा है। इस बार इस दल के पांच साल में 2 बार होने वाला राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार से शुरू हो रहा है। इस अधिवेशन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, सरकार और सेना के निर्विरोध प्रमुख के रूप में लगातार तीसरा पांच वर्षीय कार्यकाल प्राप्त होने की पूरी उम्मीद है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को बने सौ साल हो चुका है और 70 साल से वह चीन की सत्ता में काबिज है। दुनियाभर की कम्युनिस्ट पार्टियों में ज्यादातर बड़े फैसले, राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले ही लिए जा चुके होते हैं। इसमें शामिल होने वाले प्रतिनिधि भी ठोक-बजाकर चुने जाते हैं। ऐसे में सीपीसी के इस जमावड़े में कुछ नया घटित हो जाने की उम्मीद किसी को नहीं है।

भले ही राजनीतिक सत्ता पर शी की पकड़ बरकरार है, पर बाकी मुद्दों पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें तेजी से धीमी होती अर्थव्यवस्था, तकनीक के क्षेत्र के दिग्गजों पर सरकार की कार्रवाई और सख्त कोविड रणनीति का आर्थिक असर शामिल है। इस बार के राष्ट्रीय अधिवेशन में सीपीसी नेतृत्व में एक बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है, जिसमें पार्टी के सबसे शक्तिशाली अंग पोलित ब्यूरो स्थायी समिति के कई सदस्यों के पद छोड़ने की आशंका है। पूर्व प्रीमियर ली केकियांग मार्च 2023 में रिटायर होने वाले हैं। देश के दूसरे सर्वोच्च रैंकिंग अधिकारी के रूप में उनकी जगह कौन लेगा, इसको लेकर बड़ी उत्सुकता है। उनके संभावित उत्तराधिकारियों में मौजूदा वाइस प्रीमियर हू चुनहुआ और पीपुल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस नेशनल कमेटी के अध्यक्ष वांग यांग शामिल हैं, जो फिलहाल पार्टी के चौथे सर्वोच्च रैंकिंग अधिकारी हैं।

पेट्रोल और डीजल हिमाचल में महंगा, बिहार में सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 2.94 डॉलर गिरकर 91.63 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। शनिवार को ब्रेंट क्रूड 2.94 डॉलर गिरकर 91.63 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। उधर डब्ल्यूटीआई भी 3.50 डॉलर सस्ता होकर 85.61 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव कर ?दिया है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 0.87 रुपए बढ़कर 95.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.74 रुपए की तेजी के साथ 82.15 रुपए प्रति लीटर का हो गया है। जम्मू-कश्मीर में पेट्रोल 0.44 रुपए महंगा होकर 100.79 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.41 रुपए बढ़कर 86.05 रुपए का हो गया है। बिहार में पेट्रोल-डीजल के दाम गिरे हैं। यहां पेट्रोल 0.49 रुपए सस्ता होकर 109.17 रुपए प्रति लीटर जबकि डीजल 0.46 रुपए गिरकर 95.82 में बिक रहा है। इसके अलावा हरियाणा में पेट्रोल 0.21 रुपए सस्ता होकर 97.34 रुपए और डीजल 90.19 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 0.54 रुपए गिरकर 96.35 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.53 रुपए सस्ता होकर 86.71 रुपए बिक रहा है।

देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कैसे कम करे, इस पर रिसर्च करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन (ईएमएस)। आज दुनिया के कई देशों के साथ अमेरिका भी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर परेशान है। अमेरिका ने इसके प्रभावों को कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। व्हाइट हाउस ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कैसे कम करे, इस पर रिसर्च करेगा। इस शोध में पृथ्वी पर पहुंचने वाले सूर्य के प्रकाश की मात्रा को संशोधित करने के तरीकों का अध्ययन होगा। पांच साल की रिसर्च की योजना का व्हाइट हाउस समन्वय कर रहा है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे कभी-कभी सौर जियोइंजीनियरिंग या सूर्य का प्रकाश परावर्तन कहा जाता है।

खबरों के मुताबिक रिसर्च योजना जलवायु हस्तक्षेपों का आकलन करेगी, जिसमें अंतरिक्ष में सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिंबित करने के लिए समताप मंडल में एरोसोल का छिड़काव करना शामिल है। व्हाइट हाउस के साइंस एंड टेक्नोलॉजी नीति कार्यालय के अनुसार इस रिसर्च के लक्ष्य में वातावरण का विश्लेषण करने के लिए क्या आवश्यक है, और इस प्रकार के जलवायु हस्तक्षेपों का पृथ्वी पर क्या प्रभाव पड़ सकता शामिल है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रिसर्च योजना पर मार्च में हस्ताक्षर किये थे। वहीं वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के तापमान में संभावित विनाशकारी वृद्धि के खिलाफ इन जोखिमों को संतुलित करने के लिए शोध करना काफी जरूरी है। गौरतलब है कि किसी विषय पर शोध करने के लिए तैयार होना एक बहुत ही प्रारंभिक कदम है, लेकिन यह उल्लेखनीय है कि व्हाइट हाउस औपचारिक रूप से उस विचार से जुड़ रहा है जिसकी चपेट में आज विश्व का लगभग हर देश है। हार्वर्ड के प्रोफेसर डेविड कीथ ने पहली बार 1989 में इस विषय पर काम किया था। उन्होंने कहा कि अब इस और अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। वह पर्यावरण रक्षा कोष, चिंतित वैज्ञानिकों के संघ, प्राकृतिक संसाधन रक्षा परिषद से सूर्य के प्रकाश के प्रतिबिंब के शोध के लिए समर्थन के औपचारिक बयानों की ओर इशारा करते हैं, और एक नए समूह के निर्माण की सलाह देते हैं।

गुजरात में भाजपा की रणनीति, कांग्रेस की सीटों पर यूपी के मंत्री, एमपी के नेता संभालेंगे प्रचार का मोर्चा

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जीत के लिए जबरदस्त रणनीति बनाई है। इसके लिए पार्टी ने चरणबद्ध तरीके से योजना तैयार की है। खबर है कि पार्टी ने जिलेवार और सीटवार नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कई राज्यों के बड़े मंत्री भी भाजपा के प्रचार के लिए गुजरात का रुख कर सकते हैं। भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से अब तक विधानसभा चुनाव कार्यक्रम का ऐलान नहीं किया गया है। 182 सीटों वाले गुजरात को 4 हिस्सों, उत्तर, पश्चिम, मध्य क्षेत्र और सौराष्ट्र में बांटा गया है। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि राज्य के मंत्रियों, विधायकों, पूर्व विधायकों और आरएसएस से जुड़े लोगों को क्षेत्रों और जिलेवार जिम्मेदारियां दी गई हैं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश के नताओं को क्रमशः सौराष्ट्र, पश्चिम, उत्तर और मध्य क्षेत्र की जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्रियों को कांग्रेस के नियंत्रण वाली सीटों की जिम्मेदारी दी गई है। एजेंसी के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि स्वतंत्र देव सिंह को अंबासा, मांडवी, भुज, अंजर, गांधीधाम और रापड़ दिए गए हैं। राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांद बाजपेयी को जूनागढ़ क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है। बीते विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जूनागढ़, विश्वाधार, मंगरोल, मनवदार में जीत दर्ज की थी। जबकि, भाजपा यहां केवल केशोद सीट जीत सकी थी। एमपी के नेताओं को मध्य क्षेत्र का जिम्मा सौंपा गया है। सूत्रों के मुताबिक, अनुसूचित जनजाति को ध्यान में रखेत हुए एमपी के दो नेताओं को दो-दो सीटें दी गई हैं। मध्य गुजरात में 7 जिले हैं और यहां की 37 सीटों पर भाजपा का शासन है। इनमें दाहोद, महिसागर, मेहसाणा और बड़ौदा शहरी सीट का नाम शामिल है। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बानसकांठा का काम देखेंगे। उनके अलावा अरविंद सिंह भदौरिया के पास भरूच और इंद्र सिंह परमार के पास खेड़ा का जिम्मा है।

गुजरात के उत्तर क्षेत्र में राजस्थान से आए प्रवासियों की संखअया काफी ज्यादा है। आंकड़े बताते हैं कि राज्य के 18 से 20 प्रतिशत मतदाता राजस्थान के प्रवासी हैं। ऐसे में भाजपा ने राजस्थान सरकार में मंत्री सुशील कटारा समेत कुछ नेताओं को क्षेत्र का काम सौंपा है। राज्यमंत्री जेपीएस राठौर महिसागर जिले के बालासिनोर, लूनवाड़ा और संतरामपुर सीट पर जिम्मेदारी निभाएंगे। बीते चुनाव में भाजपा को संतरामपुर सीट पर सफलता मिली थी। जबकि, कांग्रेस ने बालसिनोर सीट जीती थी। लूनवाड़ा सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में आई थी। राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह राजकोट जिला देखेंगे।

राज्य में बीते 24 सालों से भाजपा की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद राज्य में 12 साल से ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री रहे। उनसे पहले केशुभाई पटेल ने भी यह पद संभाला। मोदी के बाद आनंदीबेन पटेल, विजय रूपाणी भी सीएम रहे और फिलहाल यह गद्दी भूपेंद्र पटेल संभाल रहे हैं। खास बात है कि इस बार चुनाव में आम आदमी पार्टी भी दम भर रही है, जिसके चलते मुकाबला त्रिकोणीय होता नजर आ रहा है। खबरों के मुताबिक, सर्वे बताते हैं कि राज्य में अभी भी मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के ही बीच है। गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी 2023 को खत्म हो रहा है।

अहमदाबाद की सिद्धि में शामिल होगी और एक सिद्धि

नरोडा में गुजरात का सबसे लंबा ओवरब्रिज बनेगा

अहमदाबाद, १५ अक्टूबर।

अहमदाबाद के विकास में और एक सिद्धि शामिल होगी । नरोडा पाटिया पर गुजरात का सबसे लंबा ओवरब्रिज बनने जा रहा है । यह ओवरब्रिज के लिए सैद्धांतिक मंजूरी राज्य सरकार और एएमसी द्वारा दी गई है और कुछ ही दिनों में इसका भूमिपूजन होने जा रहा है । नरोडा पाटिया पर बनने वाला ओवरब्रिज गुजरात का सबसे लंबा ब्रिज माना जाएगा । आधुनिक डिजाइन के साथ यह ब्रिज १६५ करोड़ के खर्च से नरोडा पाटिया जंक्शन से नरोडा गेलेक्सी क्रॉस रोड तक बनेगा । कुल ३ किमी लंबा ब्रिज से अहमदाबाद के लोग सीधा हिम्मतनगर या राजस्थान जा सकते है । ब्रिज पर चढ़ने और उतरने के लिए एक्जीट भी दिया जाएगा । ब्रिज बनने से २ से २.५ घंटे का ट्रैफिक में लगता समय भी बच जाएगा । आपको बता दे कि नरोडा पाटिया से रोजाना यहां से करीब १.५-२ लाख वाहन यहां से जाते है । पहले पिछले कई वर्षों से मनपा के बजट में नरोडा पाटिया ब्रिज का काम केरी फॉरवर्ड हो रहा था । लेकिन आखिर में यह सुख का दिन आ गया । उल्लेखनीय है कि, शहर अब प्रतिदिन विकास हो रहा है । इसके साथ ही साथ शहर में ट्रैफिक समस्या भी इतनी ही गंभीर बन रही है । दूसरी तरफ शहर में वर्ष रोड पर लाखों वाहन शामिल होते हैं । शहर के रास्ते अब वाहनों के लिए संकुचित बन रहे हैं । अब यह ओवरब्रिज काफी महत्वपूर्ण बन जाएगी । नरोडा पाटिया जंक्शन से नरोडा गेलेक्सी क्रॉस रोड तक ओवरब्रिज नीचे से तीन जंक्शन गुजरेंगे । नरोडा पाटिया जंक्शन, नरोडा देवी सिनेमा और नरोडा गेलेक्सी से क्रॉस रोड तीन जंक्शन पर से यह ब्रिज जाएगी । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद शहर में और नए २० ब्रिज का आयोजन किया गया है । २० में से ७ क्षेत्र में स्थित ट्रैफिक जंक्शन प्राथमिकता दी गई है । सात ब्रिज में से नरोडा पाटिया जंक्शन से नरोडा गेलेक्सी क्रॉस रोड सबसे लंबा ब्रिज होगा ।

पीएम मोदी और उनकी माता के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी का गुजरात जवाब देगाः अनुराग ठाकुर

सुरेन्द्रनगर (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राज्य में गौरव यात्रा शुरू की है, जिसमें केन्द्रीय मंत्री समेत पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं शनिवार को सुरेन्द्रनगर के धांगधा में पहुंची गुजरात गौरव यात्रा में केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर शामिल हुए इस मौके पर मीडिया से बातचीत में अनुराग ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर कड़े प्रहार किए उन्होंने कहा कि यह नरेन्द्र मोदी का गुजरात है और गुजरात मॉडल देशभर में श्रेष्ठ हैं गुजरात ने देश को बहुत कुछ दिया हैं कांग्रेस ने सरदार पटेल का अपमान किया है, जबकि नरेन्द्र मोदी ने सरदार पटेल की विश्व की सबसे विराट प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर उन्हें सच्ची श्रद्धाजंलि दी हैं गुजरात में पिछले 27 वर्षों से सत्तारूढ़ भाजपा के शासन में राज्य का लगातार विकास हो हा हैं खासकर नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गुजरात का विकास और तेज हुआ हैं ठाकुर ने कहा कि गुजरात ने देश को लोकप्रिय नेतृत्व दिया है, गुजरात में भाजपा के अलावा कहीं और नहीं मिलेगी उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता कभी बाहरी लोगों को स्वीकार नहीं करेगी दिल्ली में शराब घोटाला करने वाली आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल गुजरात में आकर लोगों से झूठे वादे कर रहे हैं एक इटालियन ने जब नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी तब गुजरात की जनता ने जवाब दिया था अब आप नेता गोपाल इटालिया को भी गुजरात की जनता करारा जवाब देगी केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आप उम्मीदवारों की अन्य राज्यों में जमानत जब्त हो गई थी इस दहशत में आप के नेता पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं उन्होंने सवाल किया कि आखिर अरविंद केजरीवाल आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया को बचाव कर साबित क्या करना चाहते हैं? अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि हिमाचल प्रदेश और गुजरात में फिर एक बार डबल इंजन की सरकार बनेगी और वह भी पहले से अधिक सीटों के साथ अरविंद केजरीवाल को आड़े हाथ लेते हुए उन्होंने कहा कि वह कहते हैं मेरा जन्म कंस की औलादों का नाश करने के लिए हुआ हैं जन्माष्टमी पर जन्म दावा करने वाले केजरीवाल महिलाओं की जरा भी इज्जत नहीं करते ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को कोरोना महामारी से उबारा था 200 साल भारत पर शासन करने वाले अंग्रेजों के देश को पीछे छोड़कर पीएम मोदी ने भारत को दुनिया में पांचवी अर्थव्यवस्था बना दिया हैं गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव में भाजपा के 150 सीटें जीतने का दावा करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि गुजरात में केजरीवाल का दिल्ली मॉडल फेल होगा उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुहल्ला क्लीनिक बंद हैं और आवारा पशुओं ने डेरा डाल रखा हैं गुजरात में अपनी हार देख चुकी आम आदमी पार्टी बुरी तरह से बौखला गई है और पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां कर रही हैं उन्होंने कांग्रेस को परिवारवादी पार्टी बताया और कहा कि परिवार ही उसे खत्म कर रहा हैं परिवार के भीतर ही मतभेद हैं, इसलिए आज भाई-बहन साथ नहीं हैं

इटालिया का एक और विवादित वीडियो आया सामने, साधु-संतों के खिलाफ दिया बयान

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को ललकारने वाली आम आदमी पार्टी (आप) बेकफूट पर आ गई हैं इसकी वजह है आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया पिछले कई दिनों से गोपाल इटालिया के एक के बाद एक विवादित वीडियो सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश हैं इन वीडियो में गोपाल इटालिया कभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को, कभी उनकी माता हीरा बा को, कभी मंदिरों को महिलाओं का शोषण का अड्डा बता रहे हैं अब इटालिया का साधु-संतों का अपमान करता हुआ वीडियो सामने आया हैं गुजरात प्रदेश भाजपा के मीडिया कन्वीर यज्ञेश दवे ने यह वीडियो जारी किया हैं जिसमें गोपाल इटालिया कहते नजर आ रहे हैं कि साधु-संतों के पास लोग अपनी समस्याओं का समाधान के लिए जाते हैं जबकि झूठे साधु-संत किसी की समस्या का समाधान नहीं कर सकते हैं ऐसे साधु-संतों का होने ना होने से कोई फर्कत नहीं पड़ता लोगों को ज्ञान बांटने वाले साधु-संतों ने देश-विदेश में अनेक कथाएं की हैं, जिससे कौन सुधर गया? साधु-संत केवल लोगों को लूटते हैं, उनकी समस्याओं का समाधान नहीं करते इटालिया के विवादित वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के मीडिया कन्वीनर यज्ञेश दवे ने कहा कि हिन्दू संस्कृति का अपमान करना ही आम आदमी पार्टी की मानसिकता हैं इसके लिए गोपाल इटालिया से ज्यादा दोषी अरविंद केजरीवाल हैं जिन्होंने गोपाल इटालिया जैसे क्रिमिनल मानसिकता के व्यक्ति गोपाल इटालिया को अपनी पार्टी का गुजरात प्रदेश प्रमुख बनाया हैं उन्होंने कहा कि साधु-संत लोगों को भाषण नहीं देते, बल्कि हमारे धार्मिक ग्रंथों का सार समझाते हैं

चुनाव आयोग जल्द कर सकता है गुजरात चुनाव की घोषणा, 4 दिसंबर तक दो चरणों में होगा मतदान

गांधीनगर (ईएमएस)। चुनाव आयोग जल्द ही गुजरात विधानसभा चुनाव की तिथियों का भी ऐलान करने वाला है। माना जा रहा है कि राज्य में दो चरणों में मतदान कराया जाएगा, जो चार दिसंबर को खत्म हो जाएंगे। आयोग के सूत्रों के अनुसार, मतों की गिनती हिमाचल के साथ ही हो सकती है। वैसे गुजरात विधानसभा का सत्र अगले साल 18 फरवरी को समाप्त होगा, लेकिन सूबे में समय से पहले चुनाव संपन्न हो जाएंगे ताकि इसका असर हिमाचल पर न पड़े।

हिमाचल में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। वहीं आप भी तीसरी शक्ति के रूप में मैदान में मौजूद है। ऐसे में यहां त्रिकोणीय मुकाबला हो सकता है। पिछले लगभग 37 सालों से हिमाचल में हर पांच साल के बाद भाजपा या कांग्रेस की सरकारें बनती रही हैं। लेकिन इस बार भाजपा के सामने इस ट्रेंड को खत्म करने की चुनौती है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेपी नड्डा ने मोर्चा संभाला हुआ है।

इस बार हिमाचल प्रदेश का चुनाव दिग्गज चेहरों के बिना होगा। कांग्रेस के पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह का निधन हो चुका है, तो भाजपा के शांता कुमार ने , जो राज्य की सत्ता की कमान संभाल चुके हैं, अपनी बढ़ती उम्र की वजह से राजनीति से दूरी बना ली है। वहीं दूसरे पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल जो पिछले चुनाव के दौरान भाजपा का प्रमुख चेहरा थे, वे हार की वजह से रेस से बाहर हैं।

2017 में मुख्य चुनाव आयुक्त एके ज्योति ने हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान क्रमशः 13 अक्टूबर और 25 अक्टूबर को किया था। इस बार नौ नवंबर को हिमाचल प्रदेश में चुनाव होंगे जबकि फिलहाल गुजरात की तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि गुजरात में दो चरणों- नौ और 14 दिसंबर को चुनाव होंगे। दोनों राज्यों में एकसाथ वोटों की गिनती 18 दिसंबर को होगी।

पूर्व चुनाव आयुक्त एके ज्योति ने कहा, 'हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी की वजह से ठंड के मौसम में चुनाव नहीं कराए जा सकते हैं। वहीं गुजरात के मामले में ऐसी कोई बंदिश नहीं है। 2017 में हमने दोनों राज्यों के लिए चुनाव की तारीखों को अलग कर दिया था क्योंकि गुजरात सरकार ने भारी बारिश की वजह से राहत कार्यों को पूरा करने के लिए समय मांगा था। साथ ही हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप आदर्श आचार संहिता 46 दिन से आगे न बढ़े।

गुजरात विस चुनाव- कांग्रेस इस बार हाइपर-लोकल कैंपेन पर दे रही जोर

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इस बार बिना हल्ला-गुल्ला किए हाइपर-लोकल कैंपेन की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी की योजना गैर-पाटीदार समुदाय के नेताओं को आगे लाने की है। साथ ही सीधे मतदाताओं के साथ बैठकें की जा रही हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी भी इस साल राज्य में काफी जोर लगा रही है। कहा जा रहा है कि गुजरात में अब लड़ाई कांग्रेस और आप के बीच है, वो भी भाजपा के खिलाफ मुख्य विपक्षी दल बनने की।

आप विधानसभा चुनाव के लिए पहले ही अपने 41 उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। कांग्रेस की ओर से इसमें देरी की जा रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस आलाकमान की ओर से टिकट बंटवारे में हो रही देरी के पीछे आप ही है। दरअसल, कांग्रेस को इस बात का डर है कि पार्टी के जिन नेताओं को इस बार टिकट नहीं मिला, उन्हें आप टिकट देकर लड़ा सकती है। 2017 के चुनाव में कांग्रेस ने 182 में से 77 जीतों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल ने कहा, 'आप गुजरात में हमारी जगह कभी नहीं ले पाएगी। यहां के मतदाता तीसरे मोर्चे को वोट देने के खिलाफ रहे हैं। उन्होंने शंकरसिंह वाघेला से लेकर केशुभाई पटेल के नेतृत्व वाली पार्टियों को खारिज कर दिया है। गुजराती गौरव अहम वजह है और आप को यहां बाहरी के रूप में देखा जाता है। आप भाजपा की बी टीम की तरह काम कर रही है। वो केवल कांग्रेस को तोड़ने की कोशिश में लगी हुई है। भाजपा के बहुत से नेताओं ने आप में शामिल होने में दिलचस्पी दिखाई है। उनका एकमात्र उद्देश्य हमें नुकसान पहुंचाना है, लेकिन ऐसा होने वाला नहीं है।'

गोहिल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का उदाहरण देते हुए कहा कि वह भी अपने समर्थकों से कह चुके हैं कि कांग्रेस को हल्के में न लिया जाए। उन्होंने कहा कि मीडिया में भले ही न दिख रहे हों लेकिन लोगों से बीजेपी के खिलाफ वोट करने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह विधानसभा चुनाव है। भाजपा हर चुनाव को नरेंद्र मोदी बनाम राहुल गांधी बना देती है। हम इसे लेकर स्थानीय नेताओं से सवाल करते हैं, क्योंकि वही यहां के लोगों के प्रति जवाबदेह हैं। आखिर क्यों यह चुनाव जगदीश राठौर बनाम भूपेंद्र पटेल नहीं हो सकता है?' कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों भारत यात्रा पर हैं। राहुल की इस बात को लेकर आलोचना हो रही है कि उनकी यात्रा गुजरात से होकर नहीं गुजरने वाली है। राज्य में कांग्रेस बीते 27 सालों से सत्ता से बाहर है। पिछले गुजरात विधानसभा चुनाव में राहुल ने राज्य के 27 मंदिरों का दौरा किया था। तब इस बात को लेकर सवाल उठे कि कांग्रेस को अपनी धर्मनिरेक्ष नीति से हटने की क्या जरूरत है। कांग्रेस पर हिंदुत्व को बढ़ावा देने के आरोप लगे। हालांकि, राहुल की ओर से 'मंदिर यात्रा', पाटीदार, दलित और ओबीसी नेताओं को साथ लाने की कोशिशों से पार्टी की सीटें 61 से बढ़कर 77 हो गईं।

अहमदाबाद की हाईफाई स्कूल के विद्यार्थी से ड्रग्स मिला

अहमदाबाद, १५ अक्टूबर।

गुजरात सरकार भले कितनी भी बातें करती हो, लेकिन वास्तविकता ऐसी है कि गुजरात में ड्रग्स का दूषण फैल गया है । यह दूषण अब स्कूलों तक पहुंच गया है । गुजरात में स्कूल के विद्यार्थियों के पास से ड्रग्स मिल रहा है । अहमदाबाद की हाईफाई स्कूल के कक्षा-११ के विद्यार्थी से २ लाख नकद, ड्रग्स तथा ई-सिगरेट मिली थी । हाल अहमदाबाद की एक स्कूल में ड्रग्स मिलने का मुद्दा चर्चा में आया है । सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद शहर के दूरदराज में स्थित एक प्रसिद्ध सीबीएसई स्कूल में कई दिनों से ड्रग्स की शिकायतें आ रही थी । स्कूल मैनेजमेंट ने यह मामले कार्रवाई करके अचानक चेकिंग की गई ।

जिसमें कक्षा-११ के एक विद्यार्थी से २ लाख नकद, ड्रग्स तथा ई-सिगरेट मिली थी । यह घटना गुजरात के भविष्य की पीढ़ी के लिए बहुत ही चिंताजनक है । चालू क्लास में कोई विद्यार्थी से ड्रग्स की मात्रा मिलने पर स्कूल मैनेजमेंट चौंक गया । जबकि विद्यार्थी के पास से ड्रग्स के लिए चेकिंग की गई थी । तब उसने चेकिंग के दौरान अपने पास कुछ भी नहीं होने का बताया । लेकिन अचानक चेकिंग लेने पर इसके पास से २ लाख नकद, ड्रग्स तथा ई-सिगरेट मिली थी । यह देखकर स्कूल मैनेजमेंट भी आश्चर्यचकित हो गया । इसके बाद स्कूल मैनेजमेंट ने विद्यार्थी के अभिभावक को जानकारी दी थी । विद्यार्थी केपास इतनी बड़ी रकम और ड्रग्स कहां से आई इस मामले में सवाल किया गया था । दूसरी तरफ अभिभावक ने यह मामले में मौन है । वह भी विद्यार्थी से मिली वस्तुओं का खुलासा नहीं कर सके थे । दूसरी तरफ स्कूल मैनेजमेंट द्वारा पूरा मामला दबाये जाने की चर्चा हो रही है । । स्कूल मैनेजमेंट द्वारा एसेम्ब्ली में सभी को चेतावनी दी गई थी कि यदि यह बात बाहर आएगी तो गंभीर परिणाम आएंगे ।

विज्ञापनों में मस्त भाजपा सरकार के शासन में महिलाओं की सुरक्षा भगवान भरोसे : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे मधुर नारों के साथ सत्ता में बैठी भाजपा सरकार के शासन में महिलाओं पर अत्याचार, दुष्कर्म और हमले की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं भाजपा शासन में आए दिन 5 जितने दुष्कर्म की घटनाएं सामने आती हैं इसके बावजूद भाजपा की 7 महिला सांसद और 10 महिला विधायक खामोश हैं भाजपा की महिला सांसदों और महिला विधायकों की खामोशी पर सवाल उठाते हुए गुजरात प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्षा जेनीबेन ठुम्मर ने पत्रकार परिषद में कहा कि डबल इंजन सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में असफल रही हैं गौरव यात्रा लेकर निकली भाजपा गुजरात की जनता को ठगने के बजाए गुजरात के गौरव को लांछन लगाने वाली दुष्कर्म की घटनाओं को रोके उन्होंने कहा कि गिर सोमनाथ जिले के तलाला तहसील में 9 साल की मासूम किशोरी की हत्या कर दी गई सूरत में 13 साल की दिव्यांग किशोरी के साथ छेड़छाड़, राजकोट में बालिका छात्रालय के बाहर आए दिन ऐसी घटनाओं के खिलाफ शिकायत करने के बावजूद प्रशासन की कुंभकर्णी निद्रा साबित करती है कि केवल विज्ञापनों में मस्त भाजपा सरकार के शासन में महिलाओं की सुरक्षा भगवान भरोसे हैं जेनीबेन ने कहा कि पिछले दो साल में गुजरात में दुष्कर्म के 3796 और सामूहिक दुष्कर्म के 61 मामले दर्ज हुए हैं गुजरात के अहमदाबाद में सबसे अधिक 729 मामले दुष्कर्म और 16 सामूहिक दुष्कर्म के दर्ज हुए हैं, जो भाजपा के महिला सुरक्षा के दावों की पोल खो रहे हैं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और गुजरात की प्रभारी शोभना शाह ने कहा कि गुजरात और देश में महिला पर अत्याचार की घटनाओं में बड़ी वृद्धि हुई हैं उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, दिल्ली समेत राज्यों में महिला पर अत्याचार और दुष्कर्म की बढ़ती घटनाएं रोकने में भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम रही हैं भाजपा सरकार के शासन में पिछले दो साल के भीतर 10 हजार से भी अधिक महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं सामने आई हैं दिल्ली में निर्भया कांड के बाद कांग्रेस सरकार ने एक अलायदा 'निर्भया फंड' बनाया था, लेकिन ऐसा लगता है भाजपा सरकार के शासन में इस फंड का उपयोग नहीं किया जा रहा

हिमालया ने बच्चों में क्लेफ्ट लिप और पैलेट की जागरुकता बढ़ाने के लिए अपना मुख्य अभियान "एक नई मुस्कान" पुनः पेश किया

घ्र्ष्री, 2022: भारत के अग्रणी वैलनेस ब्रांड्स में से एक, हिमालया वैलनेस कंपनी ने आज बैंगलुरू में अपने 'एक नई मुस्कान" अभियान के सातवें संस्करण का लॉन्च किया। मुस्कान हिमालया का एक प्रमुख सामाजिक कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य बच्चों में क्लेफ्ट लिप और पैलेट के बारे में जागरुकता बढ़ाना है। यह अभियान स्माईल ट्रेन के सहयोग से निर्मित व क्रियान्वित किया गया है, जो क्लेफ्ट की विकृति पर जागरुकता बढ़ाने और वंचित वर्गों को चेहरे के इस जन्मजात विकार को ठीक करने में 100 फीसदी निशुल्क क्लेफ्ट सर्जरी एवं विस्तृत क्लेफ्ट केयर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस साल यह अभियान हिमालया ने क्लेफ्ट के कारण उत्पन्न होने वाले सामाजिक कलंक को संबोधित करने और समाज को इस बारे में जागरुक बनाने के लिए एक कार्यक्रम के आयोजन के साथ किया कि क्लेफ्ट से पीड़ित बच्चे पूर्ण व सेहतमंद जीवन व्यतीत कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में अनेक दिलचस्प गतिविधियाँ जैसे बच्चो के लिए गेमिंग ज़ोन, आर्ट वर्कशॉप, एवं इंटरैक्टिव इंस्टॉलेशन थे। इस कार्यक्रम में बच्चों को विभिन्न इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स जैसे नेहा चटलानी, नम्रता कुमारी, स्वाति गांधी, दीक्षा, और पलक भंडारी के साथ संवाद करने का अवसर भी मिला।

हिमालया वैलनेस कंपनी "हर घर में वैलनेस और हर दिल में खुशी" फैलाने के अपने मिशन के साथ भारत में बच्चों के चेहरों पर खुशी लाने के अपने उद्देश्य की ओर काम कर रही है। स्माईल ट्रेन के साथ हिमालया 2016 में इस अभियान की शुरुआत से ही बच्चों के जीवन में मुस्कान लाने के मिशन पर काम कर रही है। ये दोनों मिलकर अभी तक लगभग 1100 क्लेफ्ट रिपेयर सर्जरी संभव बना चुके हैं, और इन बच्चों के चेहरों पर मुस्कान ला चुके हैं।

पश्चिम रेलवे चलाएगी विभिन्न गंतव्यों के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के अतिरिक्त 30 फेरे

ये चार जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें विशेष किराये पर बांद्रा टर्मिनस से गांधीधाम, भावनगर, भगत की कोठी तथा वडोदरा से हरिद्वार के बीच चलेंगी

यात्रियों की सुविधा के लिए और त्योहारी सीजन के दौरान उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा अतिरिक्त चार जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें विशेष किराये पर बांद्रा टर्मिनस से गांधीधाम, भावनगर, भगत की कोठी तथा वडोदरा से हरिद्वार के बीच चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दिवाली स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1) ट्रेन संख्या 09415/09416 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर (साप्ताहिक) ड8 फेरे.

ट्रेन संख्या 09415 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 19.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.40 बजे गांधीधाम पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 अक्टूबर, 2022 से 10 नवंबर, 2022 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09416 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को गांधीधाम से 00.30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 14.20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन भी 20 अक्टूबर, 2022 से 10 नवंबर, 2022 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, वीरमगाम, धांगधा, सामाखियाली और भचाऊ स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

2) ट्रेन संख्या 09207/09208 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर (साप्ताहिक)ड10 फेरे.

ट्रेन संख्या 09207 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक शुक्रवार को 09.15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23.45 बजे भावनगर पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अक्टूबर, 2022 से 18 नवंबर, 2022 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09208 भावनगर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को भावनगर से 14.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 अक्टूबर, 2022 से 17 नवंबर, 2022 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा जं., नडियाद जं., अहमदाबाद जं., सुरेंद्रनगर गेट, बोटाद जं., ढोला जं., सोनगढ़ और भावनगर परा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

3) ट्रेन संख्या 09093/09094 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर (स ा ा प त ा ा ा ि ह ा ा) ड4 फेरे.

ट्रेन संख्या 09093 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक शनिवार को 09.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। यह ट्रेन 22 अक्टूबर, 2022 और 29 अक्टूबर, 2022 को चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09094 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक रविवार को भगत की कोठी से 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 अक्टूबर, 2022 और 30 अक्टूबर, 2022 को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम जं., मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़ जं., भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, ब्यावर, मारवाड़ जं., पाली और लूणी जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

4) ट्रेन संख्या 09129/09130 वडोदरा-हरिद्वार सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर (साप्ताहिक)

ड8 फेरे.

ट्रेन संख्या 09129 वडोदरा-हरिद्वार सुपरफास्ट स्पेशल वडोदरा से प्रत्येक शनिवार को 19.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। यह ट्रेन 22 अक्टूबर, 2022 से 12 नवंबर, 2022 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09130 हरिद्वार-वडोदरा सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक रविवार को 17.20 बजे हरिद्वार से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.25 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 23 अक्टूबर, 2022 से 13 नवंबर, 2022 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, दाहोद, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, मथुरा जं., हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद जं., मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर, टापरी जं. एवं रुड़की स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी फर्स्ट क्लास, एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09415, 09416, 09207 एवं 09208, की बुकिंग 17 अक्टूबर, 2022 से तथा ट्रेन संख्या 09093 एवं 09129 की बुकिंग 18 अक्टूबर, 2022 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया .हल्बिं.ग्र्हीर्हेग्दुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

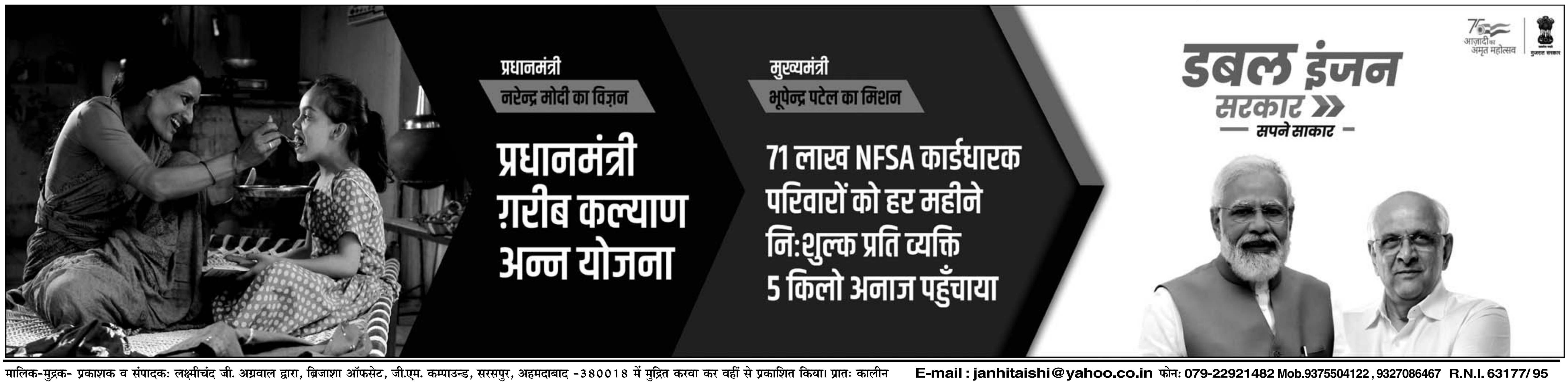

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95